सुविचार

कलम तभी साफ और अच्छा लिख पाती है जब.. वो थोड़ा झुक कर चलती है, वही हाल जिंदगी में इंसान का है..!!

-सुप्रभात

साप्ताहिक

युवा प्रदेश

Freedom of Speech

संपादक :- नागेश नरवरिया

RNI.NO. MPHIN/2015/76299

Mother's Basket
Kitchen Herbs & Spices
Swad jo pahuche dil tak

वर्ष 6, अंक-82 | भोपाल, शुक्रवार 31 दिसम्बर 2021 | पृष्ठ -8 | मूल्य 3 रुपये

युवा प्रदेश नेटवर्क

समाचार पत्र की ओर से

भारत वासियों को नवबर्ष 2022 की हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाएं।

झारखंड में 25 रुपए सस्ता मिलेगा पेट्रोल: राशनकार्डधारी को मिलेगा लाभ 26 जनवरी से लागू होगी योजना, छात्रों को मिलेगा क्रेडिट कार्ड

रांची। झारखंड में अपने दो साल पूरे होने पर सोरेन सरकार ने गरीब और मध्यम वर्ग को सस्ते पेट्रोल का तोहफा दिया है। राज्य के राशन कार्डधारियों को 26 जनवरी से मोटरसाइकिल में पेट्रोल भरवाने 25 रुपए की छूट दी जाएगी। यह राशि डायरेक्ट बैंक ट्रांसफर (ष्ठक्चञ्ज) के माध्यम से उनके खाते में भेजी जाएगी। एक कार्डधारी को हर महीने 10 लीटर पेट्रोल की खरीदारी पर यह छूट दी जाएगी। ष्टरूसोरेन ने यह जरूर बताया कि सरकार को इस योजना के लिए अलग से किसी प्रकार का कोई कर्ज नहीं लेना होगा। अपने नए संसाधन से सरकार राजस्व बढ़ाने में जुटी हुई है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि संसाधन जैसे-जैसे बढ़ेंगे, राज्य के अन्य लोगों को भी पेट्रोल के दाम में राहत दी जाएगी।

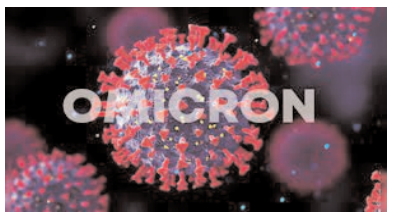

स्टूडेंट्स के लिए भी क्रेडिट कार्ड की सुविधा

झारखंड में गठबंधन सरकार के दो साल पूरा होने पर मोरहाबादी मैदान में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में सोरेन ने स्टूडेंट्स को भी लुभाने वाली घोषणा की। उन्होंने कहा कि सरकार बहुत जल्द स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड (स्स्ष्ट) भी लाने जा रही है। इसके माध्यम से मेधावी छात्रों को मदद की जाएगी। उन्होंने बताया कि राज्य के स्ष्ट-स्ञ्ज बच्चों समेत अन्य बच्चों को लोन लेने में परेशानी होती है।

75 रुपए प्रति लीटर तक मिल सकता है पेट्रोल

अभी झारखंड में पेट्रोल 98.52 रुपए प्रति लीटर मिल रहा है, लेकिन ष्टरूहेमंत सोरेन की घोषणा के बाद यदि इसमें 25 रुपए कम किए जाएं तो पेट्रोल के दाम 75.52 रुपए प्रति लीटर रह जाते हैं। हालांकि वैट और अन्य टैक्स में छूट के आधार पर सही मायने में तय होगा कि यह छूट 25 रुपए ही होगी या इससे ज्यादा की रहेगी। एक्सपर्टस का कहना है कि सही कीमत की जानकारी सरकार की तरफ से इस योजना को लागू करने की कार्यप्रणाली घोषित करने के बाद ही मिल पाएगी। कार्यक्रम के दौरान ष्टरूने 2 हजार 965 करोड़ 22 लाख रुपए की 20 योजनाओं का शिलान्यास किया गया।

मध्यप्रदेश में ओमिक्रॉन की दस्तक पर एक्सपर्ट बोले:

हमारे यहां अधिक उम्र, कम इम्यूनिटी वाली जनसंख्या और डायबिटिज के मरीज ज्यादा, इसलिए सावधानी की जरूरत

भोपाल। मध्यप्रदेश में कोरोना की रफ्तार तेज हो गई है। इंदौर शहर में ओमिक्रॉन के नए मरीज मिले है। इसको लेकर सरकार भी सतर्क है। नए मरीजों में लक्षण, किस तरह का इलाज और आम जनता को सावधानी रखने को लेकर चिरायु अस्पताल और मेडिकल कॉलेज के सीएमडी डॉ. अजय गोयनका से दैनिक भास्कर ने बात की। गोयनका ने कहा कि ओमिक्रॉन तेजी से फैलता जरूर है, लेकिन इसकी सीवियरिटी कम है। हमारे देश में अधिक उम्र, कम इम्यूनिटी जनसंख्या और डायबिटिक अनकंट्रोल मरीज ज्यादा हैं। इसलिए ज्यादा सावधान रहने की जरूरत हैं। कोविड वायरस

की फैमिली एक ही है। इनमें अल्फा, डेल्टा या ओमिक्रॉन के सिम्टम्स सर्दी, खांसी, हल्का बुखार, तेज बुखार, सर दर्द, बॉडी में दर्द ही रहते हैं। ओमिक्रॉन थोड़ा चेंज कैरेक्टर में है। इसमें फर्क यह है कि पहले के वायरस से फैलने में तेज दौड़ रहा है।

पत्नी बिना किसी कारण के मायके चली जाए तब पति किस कानूनी प्रक्रिया से पत्नी को वापस लाएगा जानिए/The Hindu Marriage Act,1955

बी.आर. अहिरवार,
ब्यूरो हेड होशंगाबाद,
मो.-9827737665

हिन्दू विवाह संस्कारो का विवाह होता है, पति-पत्नी का जीवन का साथ माना जाता है। लेकिन जब पति पत्नी के साथ कोई क्रूरता का व्यवहार करता हैं तब पत्नी पति से रूठ कर मायके चली जाती है। कभी-कभी ऐसा होता है कि पति पत्नी के छोटे-मोटे झगड़े होते हैं और पत्नी मायके चली जाए। तब पत्नी को वापस लाने के लिए पति कानून के अंतर्गत क्या प्रक्रिया कर सकता है जानिए।

हिन्दू विवाह अधिनियम, 1955 की धारा-9 की परिभाषा-?

जब पति या पत्नी से बीच कोई छोटा-मोटा झगड़ा हुआ हो या छोटी मोटी बातो के कारण पत्नी मायके चली गई है तब पति अपनी पत्नी को वापस लाने के लिए कुटुम्ब न्यायालय या जिला न्यायालय में पत्नी को वापस लाने के लिए याचिका दायर कर सकता हैं। अगर न्यायालय को लगता है कि पत्नी कोई ठोस कारण या वजह से पति से अलग नहीं हुई है अर्थात सामान्य झगड़ा या छोटी-मोटी बातो के कारण अलग हुई है तब न्यायालय पत्नी को धारा - 9 के अंतर्गत आदेश देगा कि वह पति के साथ रहे।

नोट- ठोस कारण से अभिप्राय पत्नी के पति के खिलाफ दहेज प्रथा,क्रूरता, नातेदार द्वारा प्रताड़ना का मामला या शिकायत कही दर्ज की गई है या विवाह शुन्यकरण का मामला नहीं हो।

महिला के कपड़े छूना भी कितना गंभीर अपराध हो सकता है जानिए/महिला संबंधित कानून(law of Women,s)

द्रोपदी का चीर हरण तो सभी को याद है। जो कौरवों द्वारा किया गया था। लेकिन अगर कोई व्यक्ति किसी स्त्री का वास्तविक में चीर हरण करता है तो क्या वह दण्डनीय अपराध होगा।आज की धारा 354 (ख) में हम आपको बताएंगे कि किसी महिला के शरीर से वस्त्र उतारने की कोशिश या कपड़े को छूना मात्र करना कितना गंभीर अपराध होता है जानते हैं आज।

भारतीय दण्ड संहिता, 1860 की धारा 354 (ख) की परिभाषा-

अगर कोई व्यक्ति किसी भी स्त्री के वस्त्र उतारने, निवस्त्र करने आदि की कोशिश करता है तो ऐसा करने वाला व्यक्ति धारा 354 (ख) के अंतर्गत दोषी होगा।

भारतीय दण्ड संहिता, 1860 की धारा 354(ख) के अंतर्गत दण्ड का प्रावधान-

यह अपराध किसी भी प्रकार से समझौता योग्य नहीं है, यह संज्ञेय एवं अजमानतीय अपराध होते हैं। इनकी सुनवाई का अधिकार किसी भी न्यायिक मजिस्ट्रेट को होता है। सजा- इस अपराध के लिए कम से कम तीन वर्ष की कारावास एवं अधिकतम सात वर्ष तक और जुर्माने से दाण्डित किया जा सकता है।

- लेखिका श्रीमती ज्योति चौहान(महिला सामाजिक कार्यकर्ता अलीगढ़ उत्तर प्रदेश)

कविता

बाह री रोटी

ये रोटी है पेट के लिए बहुत मेहनत से मिलती है
इसी रोटी के चक्कर मे पूरी जिंदगी गुजर जाती है

मंजिल तेरी यहीं थी आखरी बक्त में भी जला दिया
रोटी की भूख ऐसी लगी की किस्मत भी ना बता सकी

बुढ़ापे में रोटी ना मिली तो बच्चे घर से निकल गए
रोटी के चक्कर में रिस्ते अपने हाथ से निकल। गये

बुढ़ापे में भी जिंदगी कमबख्त आश्रम में गुजरना पड़ी
क्या मिला जिंदगी में तुझे अपनो ने ही तुझे जला दिया

- मोहन मांढरे

चुनाब

ये मंहगाई बेरोजगारी निजीकरण का चुनाब है
अपना वोट पूंजीपतियों को सभल कर देना साहब

मनरेगा ओर राशन देना गरीबो का अधिकार है
तो रैलियों में उनका उपयोग बन्द करा दो साहब

देश की सम्पति बेच कर ऐसा बिकास नही चाहिए
पेट्रोल डीजल गैस के पुराने दाम लागू करा दो साहब

त्रस्ञ्ज,नोटबन्दी,निजीकरण से देश को फायदा हुआ तो
फिर मंहगाई,बेरोजगारी ने क्यो झकझोर दिया साहब

राजनीति की दुकान खोल कर चुनाब के समय
जुमलेबाजी,घोषणाओ का ब्यापार बन्द करा दो साहब

रैलियों में ट्रक्टर बसों में ठूस ठूस कर लाना गरीबो को
डिजिटल इंडिया की कुप्रथा बन्द करा दो साहब

किसानों की आय 2022 तक दुगनी छलबा था तो
फिर15 लाख जनधन खाते में आये क्यो नही साहब

पार्टी कोई,हो धर्मेंद्र बीरू गब्बर बसंती सब एक थे तो
हिन्दू मुश्लिम को वोट के लिए क्यो लड़ाते हो साहब

देश की सेवा के कर्मचारियों की पेंशन बन्द करा दी
नेताओं की तीन तीन पेंशन चालू क्यो कराई साहब

शिक्षा का दोहन ब्यबसाई कारण नही हो रहा तो
फिर अपने बच्चों को सरकारी स्कूल में पढ़ाओ साहब

-मोहन मांढरे

मध्यप्रदेश उपाध्यक्ष के घर पहुंचे विधायक,पूछा कुशलक्षेम

उदयपुरा/रायसेन। शनिवार सायंकाल में दिनांक 25 दिसंबर 2021 को अखिल भारतीय रविदासिया धर्म संगठन, भारत की मध्यप्रदेश इकाई के प्रदेश उपाध्यक्ष श्री अतर सिंह भारतीय के निज निवास ग्राम कैलकच्छ, तहसील उदयपुरा जिला रायसेन पर क्षेत्र के लोक प्रिए, माननीय विधायक महोदय ने पधारकर परिवार का हालचाल जानने के बाद सांत्वना देते हुए पूज्य माताजी को श्रद्धांजलि अर्पित की। ज्ञातव्य हो कि श्री भारतीय जी की पूज्य माताजी ब्रम्हलीन भूरीदेवी जी का लंबी बीमारी के चलते 16 नवंबर 2021 को पंच तत्वों में विलीन हो गई थीं। जिनकी पुण्य स्मृति में श्री भारतीय द्वारा 12 दिसंबर 2021 को सदगुरु रविदास जी महाराज की अमृतवाणी, आरती, अरदास और लंगर कार्यक्रम आयोजित किया गया था। जिसमें माननीय विधायक महोदय व्यस्त होने के

कारण उपस्थित नहीं हो पाए थे। इसी दौरान मध्यप्रदेश के उपाध्यक्ष ने विधायक जी से अपने अनुसूचित जाति वर्ग के हिस्से की विधायक निधि को अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों में ईमानदारी से खर्च करने की बात विनम्रतापूर्वक कही और तात्कालिक पंचायत चुनाव में अनुसूचित जाति वर्ग के जागरूक उम्मीदवारों को मदद करने गुहार लगाई। इसी के साथ यह भी चर्चा की गई कि समाज में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए किसी भी जातीय या वर्ग विशेष द्वारा अन्य जाति या वर्ग पर अन्याय या अत्याचार न हो इसलिए धार्मिक, सामाजिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक मंचों से पहल की जाए। कार्यक्रम के अंत में अतरसिंह भारतीय द्वारा माननीय विधायक महोदय का, उपस्थित जनों का विनम्रतापूर्वक आभार प्रकट कर आयोजन के समापन की घोषणा की गई।

युवा उत्सव के तृतीय दिवस में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया

होशंगाबाद। शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय में युवा उत्सव के तृतीय दिवस दिनांक 24 दिसंबर 21 को विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में एकल गायन शास्त्रीय, एकल गायन सुगम, एकल गायन पश्चात्य, समूह गायन पश्चात्य, समूह गायन भारतीय, वादन परकुशन, वादन नान परकुशन, एकल नृत्य शास्त्रीय, समूह नृत्य शास्त्रीय का आयोजन किया गया। युवा उत्सव में आयोजित एकल गायन शास्त्रीय में प्रथम स्थान पर कुमारी सिद्धा सांई एवं द्वितीय स्थान पर मनीषा व्यास रही। एकल गायन सुगम में प्रथम स्थान पर आशिमा शाह द्वितीय स्थान पर मनीषा व्यास एवं तृतीय स्थान पर शिवानी एवं सौम्या कौशिक रहीं। एकल गायन पाश्चात्य में भानुप्रिया प्रथम रही। समूह गायन पश्चात्य में प्रथम भानुप्रिया एवं समूह, द्वितीय स्थान पर मनीषा व्यास एवं श्रेया शुक्ला समूह रहा। समूह गायन भारतीय में प्रथम स्थान पर सिद्धा साईं एवं समूह रहा। एकल नृत्य में प्रथम श्रुति पटवा, द्वितीय कुमारी निधि गौर एवं तृतीय स्थान पर रिया मेहरा रही। समूह नृत्य में प्रथम चेतना एवं समूह द्वितीय स्थान पर तनीषा तिवारी एवं समूह एवं तृतीय स्थान पर राधिका एवं समूह रहा। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि प्राचीन काल से ही संगीत चिकित्सा पद्धति की जाती रही है। संगीत चिकित्सा पद्धति विभिन्न रोगों से ग्रस्त रोगी को रोग मुक्त एवं तनाव रहित करने में बड़ी कारगर सिद्ध होती है। शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय जिले का एकमात्र ऐसा महाविद्यालय है जिसमें संगीत विभाग है संगीत विभाग के प्राध्यापक श्री प्रेमकांत कटंगकार एवं श्री रामसेवक शर्मा को शुभकामनाएं देते हुए प्राचार्य महोदया ने कहा कि संगीत विभाग के सहयोग से छात्राओं ने युवा उत्सव में बढ़-चढ़कर सहभागिता की। डॉ. जैन ने बताया कि संगीत, गीत, नृत्य आदि वैदिक पद्धति पर आधारित कला है, जो मानव के विकास यात्रा को पल्लवित एवं पोषित करती हैं। संगीत हमारे मन, मस्तिष्क को शांत करता है शांत मस्तिष्क में उन्नत एवं विकासशील विचारों का रोपण होता है। छात्राओं नें इन 22 विधाओं में सहभागिता कर अपनी कला का प्रदर्शन किया। प्राचार्य महोदया ने मोहित दुबे जी के सहयोग की सराहना की। युवा उत्सव प्रभारी डॉ संध्या राय ने विजेता छात्राओं का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि अगले स्तर पर अपनी प्रतिभा एवं क्षमताओं का प्रदर्शन कर महाविद्यालय का नाम रोशन करें। इस अवसर पर डॉ पुष्पा दुबे डॉ किरण पगारे डॉ. संगीता अहिरवार डॉ. पी.आर. मान कर श्री कैलाश डोंगरे, डॉ. हर्षा चचाने, डॉ. कंचन ठाकुर डॉ. रामबाबू मेहर डॉ. सी.एस. राज डॉ. दीपक अहिरवार, डॉ. रागिनी सिकरवार, डॉ. मनीषा तिवारी, डॉ. विजया देवासकर, श्री अजय तिवारी, डॉ दशरथ मीणा, डॉ. निशा रिछारिया, डॉ. कीर्ति दीक्षित डॉ. नीतू पवार शीतल मेहरा, अंकिता तिवारी, सौम्या चौहान, चारु तिवारी, श्वेता वर्मा, शुभम भद्रे, दीपिका राजपूत, डॉ. श्रद्धा गुप्ता, श्री धीरज खातरकर, श्री आशीष सौहगोरा, डॉ मनीष चंद्र चौधरी, डॉ. रीना मालवीय, महाविद्यालय परिवार एवं भारी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहे।

रविदास वंशीय अहिरवार, जाटव एवं अन्य सामाजिक बन्धुओं!

अनुसूचित जाति के समस्त सामाजिक संगठनों /संघ व आदरणीय प्रतिनिधियों!

हमारे देश में हम आजादी की 75 वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। हमारे देश की सरकार आजादी के योगदान देने वाले भूले बिसरे और इतिहास के पन्नों में दर्ज नहीं होने वाले देश के सेनानियों की जानकारी प्राप्त कर उन्हें देश के इतिहास में सम्मान, शहीद सूची में नाम एवं उनकी याद में उनकी समाज को गौरवान्वित कर रही है। मध्यप्रदेश के एकमात्र अनुसूचित जाति के वीर शहीद मनीराम अहिरवार जी चीचली जिला नरसिंहपुर के थे। जिन्होंने सन 19 42 में अंग्रेजी सेना से युद्ध लडा और उन्हें परास्त कर गांव से खदेड़ दिया था ।उन्होंने उस समय चीचली गौड़वाना राजमहल पर कब्जा करने के लिये आये। सेनिकों को लहू-लुहान कर दिया था। वीर मनीराम जी पर गोलीबारी की बौछार हुई। वह युद्ध कला के महारथी होने के कारण हर गोली का सामना किया। इनके बिषय में चीचली के कवि ने अपनी रचना में उल्लेख किया है जालिम की बन्दूकों से कोई खोंफ न खाया। सीना खोल मनीराम ने और चलाओं ललकारा।। चलती गोलीओं से खेलीं आंख मिचौनी। कोई गोली छू न पाई ऐसी फुर्ती तेरी।।वीर मनीराम अहिरवार जी की वीरता और बहादुरी का गौरवशाली इतिहास है। उन्हें अंग्रेजी सेना ने गिरफ्तार कर गुलामी व बेगारी कराने के लिए अपनी समाज के युवाओं को लाने के लिए प्रताड़ित कर यातनाएं दी। उन्होंने अपनी समाज के युवाओं और स्वयं को गुलामी प्रथा का विरोध कर समाज के स्वाभिमान के खातिर शहादत दे दी। गोंडवाना राजमहल अंग्रेजी सेना के कब्जे में न होने देने के लिए उन्होंने भीषण युद्ध कर रक्षा की जो आज भी विद्यमान है। वीर मनीराम के युध्द के दौरान मंशाराम जसाटी और गौरादेवी इन पर चली गोलीओं से शहीद हुए। मनीराम अहिरवार जी को अंग्रेजों द्वारा अपनी ही जेल में मौत दी, जो कि मनीराम जी ने हंसते - हंसते स्वीकार कर ली। लेकिन मान सम्मान और स्वाभिमान पर आंच नहीं आने दिया। अनुसूचित जाति के शूरवीर सपूत मनीराम अहिरवार जी को आज तक सम्मान नहीं प्राप्त है। जबकि वह रविदास समाज के महान गौरव है। अतः सभी सम्मानित समाज भाईयों, पत्रकार, साहित्यकार व समाजसेवीओं से अपील और आग्रह है कि भारत सरकार से वीर शहीद मनीराम अहिरवार जी को राष्ट्रीय शहीद का दर्जा दिलाने की मांग की जाये।

अमर शहीद वीर मनीराम अहिरवार जी के सन्दर्भ में जानकारी हेतु सम्पर्क = मोबाइल /वाटसव 8878054839
मूलचन्द मेधोनिया (शहीद सुपौत्र) चीचली तहसील गाडरवारा जिला नरसिंहपुर (मध्यप्रदेश)

सीआरपीएफ जवान ने एएसआई को गोलियों से भूना, मौत

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ और तेलंगाना राज्य की सीमा पर स्थित सीआरपीएफ कैंप में जवानों के बीच आपसी खूनी संघर्ष हुआ है। सीआरपीएफ 39 बटालियन के एक हेड कॉन्स्टेबल ने अपनी सर्विस राइफल से कैंप में ही पोस्टेड एएसआई पर गोलियां दाग दी। जिससे एएसआई की मौके पर ही मौत हो गई। एएसआई को गोली मारने के बाद उसने खुद पर भी गोली चलाकर आत्महत्या का प्रयास किया है। बताया जा रहा है कि हेड कॉन्स्टेबल गंभीर रूप से घायल है। जिसे वारंगल अस्पताल ले जाया गया है। जानकारी के मुताबिक मुलुगु जिले में सीआरपीएफ के एएसआई उमेश चंद्र और हेड हेड कॉन्स्टेबल स्टीफन के बीच कुछ विवाद हुआ था। जिसके बाद रविवार सुबह महज 8.40 बजे एचसी स्टीफन ने एएसआई पर अपनी सर्विस राइफल से गोलियां दाग दी।

यीशु मसीह की मूर्ति तोड़ी, सीसीटीवी में कैद हुए दो युवक

अंबाला। हरियाणा के अंबाला में क्रिसमस की रात शरारती तत्वों ने यीशु मसीह की मूर्ति खंडित कर दी। यह मूर्ति अंबाला कैंट के डुरंड रोड स्थित 173 साल पुरानी होली रिडीमर कैथोलिक चर्च की है। देर रात करीब डेढ़ बजे दो युवक सीसीटीवी में कैद हुए है। फुटेज लेकर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी। इस हरकत से ईसाई समाज के लोगों में रोष है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। एतिहासिक चर्च में यीशु मसीह की मूर्ति मुख्य गेटों के ठीक बीच में स्थापित है। मूर्ति के चारों तरफ कांच का फ्रेम था। शरारती तत्वों ने शीशा तोड़कर मूर्ति को खंडित किया। पुलिस ने स्थानीय लोगों से भी पूछताछ शुरू कर दी है।

राहुल खुद नहीं जानते कि वह क्या हैं, शोध होना चाहिए : गोयल

अंबाला। हरियाणा के विधायक असीम गोयल ने शनिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर उनकी हिंदू बनाम हिंदुत्व-वादी टिप्पणियों को लेकर निशाना साधा और कहा कि कांग्रेस सांसद खुद नहीं जानते कि वह हिंदू, मुस्लिम या ईसाई हैं। गोयल ने कहा कि राहुल गांधी खुद नहीं जानते कि वह हिंदू हैं, मुस्लिम हैं या ईसाई हैं। इस विषय पर शोध होना चाहिए। उन्हें देश की नहीं, बल्कि अपने और अपने परिवार के इतिहास और भूगोल की चिंता करनी चाहिए। गोयल का यह बयान वायनाड के सांसद द्वारा गुरुवार को की गई उस टिप्पणी के बाद आया है जिसमें उन्होंने हिंदू धर्म और हिंदुत्व के बीच तुलना करते हुए कहा था कि हिंदू सत्य के मार्ग का अनुसरण करते हैं।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव नवीन कुमार सक्सेना ने कहा-

अपनी विफलताएं छिपाने देवी-देवताओं के नाम का इस्तेमाल कर रही है भाजपा

एजेंसी| गोरखपुर

राष्ट्रीय सचिव ने कहा कि भाजपा अपने संकल्प पत्र में किए गए वादे पूरे नहीं किए। आज देश व प्रदेश में बेरोजगारी से लोग परेशान हैं। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव नवीन कुमार सक्सेना ने कहा कि आज भारतीय जनता पार्टी अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए छल कर रही है। भाजपा विकास और मूलभूत सुविधाओं व खस्ताहाल कानून व्यवस्था को ध्यान से भटकाने के लिए प्रदेश वासियों और देशवासियों को धर्म और राष्ट्रवाद के साथ ही जातिवाद और परिवारवाद के शब्द जाल में उलझा कर अपना उल्लू सीधा करने में जुटी हुई है। यह बातें सपा के गोरखपुर के बेतियाहाता स्थित सपा कार्यालय पर कही। वे यहां

पत्रकारों से मुखतिब थे।भाजपा पर हमलावर होते हुए उन्होंने कहा कि बीजेपी हिंदू-मुसलमान, कब्रिस्तान- श्मशान, तुष्टीकरण जैसे हल्के शब्द प्रयोग करके ध्रुवीकरण कराने में जुटी है। साथ ही अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए देवी- देवताओं के नाम का इस्तेमाल कर रही है। उनके मंदिरों के पीछे जाकर छिपना चाहती है। कहा कि उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव में अपनी हार को लेकर भारतीय जनता पार्टी बौखलाई हुई है और विकास के एजेंडे पर बात ही नहीं करना चाहती। राष्ट्रीय सचिव ने कहा कि भाजपा अपने संकल्प पत्र में किए गए वादे पूरे नहीं किए। आज देश व प्रदेश में बेरोजगारी से लोग परेशान हैं। चरम सीमा पर महंगाई है, कुशासन भ्रष्टाचार एवं अपराध में बढ़ोतरी हो गई है। उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है और जंगलराज कायम है। महिला सशक्तिकरण के नाम पर महिलाओं को छलने का काम भाजपा की मोदी और योगी सरकार ने किया है। वहीं, डीजल जो 55 रुपया लीटर था, वह अब 95 रुपये पार है। 5 किलो की यूरिया मोदी- योगी सरकार ने ली और दाम भी बढ़ा दिया गया है। यूरिया और डीएपी किसानों को लाइन में खड़ा करने के बाद भी नहीं मिल रही है और उन्हें लाठियों का भागी बनाया गया है।

माफिया इनकी पार्टियों में शरण पाए हैं

नवीन सक्सेना ने कहा कि तीनों काले कानून लाकर 756 से ज्यादा किसानों की आहुति भाजपा के द्वारा अपने अहंकार के यज्ञ में ली गई है। इनके मंत्री के उकसाने पर मंत्री के बेटे ने 4 किसानों और एक पत्रकार की हत्या भी की। इनके शासनकाल में माफिया ना तो प्रदेश छोड़े हैं, ना ऊपर गए हैं और ना जेल में है, बल्कि माफिया इनकी पार्टियों में शरण पाए हुए है। मुख्यमंत्री समेत 117 भाजपा विधायकों पर जघन्य अपराध के मामले न्यायालय में विचारणीय है और 35 ऐसे सांसद हैं जिन पर गंभीर मामले दर्ज है।

पूर्व सीएम रमन सिंह ने भाजपा को दिया 1 हजार का चंदा, ट्रोल हुए

रायपुर। नेताओं की सोशल मीडिया पर तगड़ी फैन फॉलोइंग होती है। मगर कई बार उन्हें सोशल मीडिया के खुले मंच पर आलोचना का शिकार बनना पड़ता है। छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम डॉ रमन सिंह एक पोस्ट की वजह से अब आलोचकों के निशाने पर हैं। सोशल मीडिया की जुबान में समझिए कि छत्तीसगढ़ के कैसे पूर्व सीएम ट्रोलर्स का शिकार बन गए हैं। दरअसल 25 दिसंबर को एक पोस्ट डॉ रमन सिंह ने अपने आधिकारिक फेसबुक अकाउंट पर शेयर की। इसमें उन्होंने बताया कि नमो एप के जरिए उन्होंने भाजपा के लिए दान किया है। उन्होंने लोगों से भी पार्टी के लिए चंदा या दान देने की अपील की। साथ में एक स्लिप की तस्वीर भी डॉ रमन ने पोस्ट की। इसमें दिख रहा था कि पूर्व ष्टरूने एक हजार रुपए का चंदा दिया है, इसी वजह से डॉ रमन को फेसबुक यूजर्स ने ट्रोल कर दिया। फेसबुक यूजर्स ने लिखा- सर आप 15 साल सीएम रहे और दान सिर्फ एक हजार का। किसी ने कहा सर आपसे ऐसी उम्मीद नहीं थी। एक युवक ने लिखा ये लोग पैसे जुटाकर यूपी के चुनाव में खर्च करेंगे। एक युवक ने कहा कि अपना वेतन दान कर देते। कुछ ने कहा कि इतना बड़ा नेता 1 हजार दे रहा है तो कार्यकर्ता एक रुपए देगा।

498 वनाधिकार पत्रकों की हुई पुनर्समीक्षा

हितग्राहियों को सामुदायिक व व्यक्तिगत वनाधिकार पट्टा और किसान किताब का वितरण

कोरिया। कोरिया कलेक्टर श्याम धावड़े के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन के व्यक्तिगत वनाधिकार पत्रक पुनर्समीक्षा शिविर सह कलेक्टर जनचौपाल को जनता का बेहतर प्रतिसाद मिल रहा है। 28 दिसंबर को मोटल भवन, पटना में आयोजित व्यक्तिगत वनाधिकार पत्रक पुनर्समीक्षा शिविर सह कलेक्टर जनचौपाल में 498 पूर्व निरस्त वनाधिकार पत्रकों की समीक्षा की गयी। शिविर में सामुदायिक वनाधिकार पट्टे का वितरण किया गया। पुर्नसमीक्षा शिविर में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रेणुका सिंह, जिला पंचायत उपाध्यक्ष वेदांती तिवारी, जिला पंचायत सदस्य विजय राजवाड़े, श्रीमती सुनीता कुर्रे, जनपद पंचायत बैकुण्ठपुर की अध्यक्ष श्रीमती सौभाग्यवती कुसरो, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती आशा साहू, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी कुणाल दुदावत सहित समस्त विभाग के जिला अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे। शिविर में कलेक्टर श्याम धावड़े ने मौजूद ग्रामीण जनता को वन अधिकार अधिमान्यता नियम 2006 की जानकारी दी। इसी के साथ उन्होंने जाति प्रमाण पत्र, किसान क्रेडिट कार्ड के संबंध में लगाये जा शिविरों का भी लाभ लेने की बात कही। उन्होनें कहा कि जनता की मदद के लिए ये शिविर आयोजित किये जा रहे है। इनका लाभ उठाए और बेहतर प्रशासन में हमारा सहयोग करें। धान खरीदी के संबंध में कलेक्टर श्री धावड़े ने किसानों से आग्रह किया कि उपार्जन केंद्रों में गुणवत्ता पूर्ण धान लाएं जिससे विक्रय के दौरान कोई परेशानी ना हो। उन्होंने कोविड टीकाकरण महाभियान में सहयोग करने के लिए आम जन से अपील की।बबिता को मिली मोटराइज्ड साईकल,चेहरे पर झलकी खुशी, सुल्तान को मिली ब्लाइंड स्टिक, 35 दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण का मिला सहारा- शिविर में बैकुण्ठपुर विकासखण्ड के अंतर्गत दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण

प्रादन किये गए। 35 दिव्यांगजनों को उनकी आवश्यकता के अनुसार मोटराइज्ड साईकल, व्हीलचेयर, ब्लाइंड स्टिक, श्रवण यंत्र, ट्राईसाईकल, और बैसाखी का वितरण किया गया। शिविर में आये ग्राम पटना के सुल्तान अंसारी को ब्लाइंड स्टिक उपलब्ध कराई गई है। सुल्तान ने बताया कि उनकी आंखों की रोशनी बेहद कमजोर है जिससे उन्हें आते-जाते वक्त रास्ते को समझने को बेहद मुश्किल होती है। शिविर में उन्हें निःशुल्क सहायक उपकरण के रूप में ब्लाइंड स्टिक मिली है जिससे उन्हें मदद मिलेगी। ग्राम चिरगुड़ा की बबिता को शिविर में निःशुल्क ट्राईसाईकल मिली। ट्राईसाईकल मिलने से बबिता के चेहरे पर आई हंसी ने जिला प्रशासन द्वारा आयोजित इन शिविरों की सार्थकता को मजबूत बनाया। ट्राईसाईकल मिलने से अब बबिता को आवागमन में आसानी होगी और किसी पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। शिविर में ग्राम पंचायत कसरा से आयी साधना यादव ने बताया कि आवागमन में समस्या होती है, मुझे मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल मिलने से मेरी यह समस्या दूर हुई है। ग्राम तरगवा से आए मनोज कुमार साहू ने बताया कि मैं एम.ए. तीसरे वर्ष में हूं। दिव्यांगता के कारण आने-जाने में मुश्किल होती है, आज शिविर में मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल मिलने से मैं अब मैं स्वयं सक्षम हूं। शिविर में 10 हितग्राहियों को किसान क्रेडिट कार्ड, 33 बच्चों को स्थायी जाति प्रमाणपत्र वितरित किए गए। राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना के तहत 12 ग्राम पंचायतों के 25 हितग्राहियों को सहायता राशि दी गई। मत्स्य पालन विभाग के द्वारा 07 हितग्राहियों को महाजाल एवं आइसबॉक्स का वितरण किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 06 महिलाओं का गोदभराई, 06 बच्चों का अन्नप्राशन किया गया एवं नोनी सुरक्षा योजना के तहत 10 बच्चों को प्रमाणपत्र वितरित किए गए। शिविर में 24 हितग्राहियों को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना, 82 हितग्राहियों को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना, 100 हितग्राहियों को मुख्यमंत्री पेंशन योजना, 03 हितग्राहियों को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय दिव्यांग पेंशन योजना, 10 हितग्राहियों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना, 09 हितग्राहियों को सुखद सहारा पेंशन योजना के तहत सहायता राशि दी गई। 24 हितग्राहियों को राशन कार्ड वितरण, कृषि विभाग द्वारा 17 हितग्राहियों को स्प्रेयर किट वितरण, 02 हितग्राहियों को चना बीज वितरण, 05 को सरसों बीज वितरण, 09 को वर्मी कम्पोस्ट वितरण किया गया। समाज कल्याण विभाग द्वारा 39 हितग्राहियों को बैसाखी, ब्लाइंड स्टिक, मोटराइज्ड ट्रायसिकल, श्रवण यंत्र, व्हीलचेयर, ट्राइसाइकिल वितरित किए गए। राजस्व विभाग द्वारा 17 हितग्राहियों को वन अधिकार पट्टा एवं 35 को किसान किताब पत्र दिए गए।श्रम विभाग द्वारा 02 हितग्राहियों को मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना के तहत 2 लाख रुपये, मेधावी छात्र-छात्रा शिक्षा प्रोत्साहन योजना के तहत 10 हजार 500 रुपये का चेक एवं 20 हितग्राहियों को पंजीयन कार्ड वितरित किया गया।

कलेक्टर ने मीडिया में प्रसारित जानकारी को त्वरित संज्ञान में लेकर जांच कराई

विदिशा। विदिशा जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत सायर का ग्राम घाटखेडी के निवासी श्री बुद्धाराम के संबंध में इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिन्ट मीडिया में प्रसारित खबरो को कलेक्टर श्री उमाशंकर भार्गव ने त्वरित संज्ञान में लेते हुए वस्तुस्थिति से अवगत होने हेतु उन्होंने जांच दल गठित करने के निर्देश जिला पंचायत सीईओ को दिए। गठित जांच दल द्वारा मौके पर पहुंचकर जांच की गई है। जांच दल के प्रतिवेदन अनुसार इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर प्रसारित खबर के संबंध में अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है कि जानकारी देते हुए जिला पंचायत सीईओ डॉ योगेश भरसट ने बताया कि हितग्राही श्री बुद्धाराम जी को पीएम आवास, उज्जवला योजना सहित शासन की अन्य योजनाओं का लाभ दिलाया गया है। मीडिया पर प्रसारित समाचार में हितग्राही श्री बुद्धाराम निवासी घाटखेड़ी को योजना का लाभ नहीं मिलना व मकान के दरवाजे के लिए राशि 14 हजार रुपये वसूले जाने सहित घर में लगे पंखे को निकाले जाने का समाचार इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर प्रसारित किया गया था। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में प्रसारित

समाचार अनुसार ग्राम घाटखेड़ी में हितग्राही से दरवाजे की राशी रुपए 14 हजार मांगना, लगा हुआ पंखा निकाल लेना, बिजली कनेक्शन काटे जाने एवं उज्ज्वला योजना अंतर्गत गैस कनेक्शन केवल दिखावे के लिए देना व अन्य योजनाओं का लाभ नहीं देना जिसमें महामहिम राज्यपाल महोदय के ग्राम घाटखड़ी में भ्रमण एवं बुद्धाराम के घर पर महामहिम राज्यपाल महोदय के भोजन का उल्लेख शामिल है। जिसके बाद मामले की जांच के लिए टीम गठित कर मौके पर पहुंचाई गई थी। उपरोक्त संबंध में तत्काल कार्यवाही हेतु जांच बिंदु निर्धारित किए गए एवं नायब तहसीलदार तहसील विदिशा श्री सुनील गढ़वार, ब्लॉक समन्वयक प्रधानमंत्री आवास योजना जनपद पंचायत विदिशा श्री खूबचंद पाल एवं विकास सामान्य वाटर शेड जनपद पंचायत विदिशा का तीन सदस्यीय जांच दल गठित किया गया। जांच के समय पटवारी सचिव ग्राम पंचायत, ग्राम रोजगार सहायक, हितग्राही श्री बुद्धाराम एवं ग्रामीण उपस्थित थे। जांच टीम द्वारा मौके पर पंचनामा, वीडियो तैयार किया गया है। गठित जांच दल के प्रतिवेदन अनुसार इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर प्रसारित समाचार सही नहीं पाया गया है। श्री बुद्धाराम द्वारा किसी भी प्रकार की शिकायत नहीं की गई है प्रसारित समाचार का खंडन किया गया है। हितग्राही श्री बुद्धा राम द्वारा स्वयं बताया गया है कि उसे शासन की योजनाओं का लाभ मिला है वह उसे किसी भी प्रकार की कोई समस्या नहीं है।

कोरोना के बढ़ते प्रकरणों को देखते हुए पुख्ता रहे नियंत्रण की व्यवस्थाएँ - मुख्यमंत्री श्री चौहान

सीहोर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मंत्रालय में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस में कहा कि पड़ोसी राज्यों में कोरोना के प्रकरण बढ़ रहे हैं। लगभग सभी जगह केस बढ़ रहे हैं। हमें इसके नियंत्रण के लिए पूरी तरह तैयार रहना चाहिए। कलेक्ट्रेट कार्यालय के एनआईसी कक्ष में कलेक्टर श्री चन्द्र मोहन ठाकुर, जिला पंचायत सीईओ श्री हर्ष सिंह सहित अनेक अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर श्री ठाकुर ने मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा वीडियो कान्फ्रेसिंग के माध्यम से दिए गए निर्देशो का पालन सुनिश्चित करने के सभी अधिकारियों को निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में 307 नये केस आए हैं। चारों महानगरों में केस आ रहे हैं। अब धीरे-धीरे सभी जगह फैलने की संभावना है। हमारी रणनीति है कि यदि घर में जगह नहीं है तो रोगी को हॉस्पिटल में एडमिट करें। सभी प्रभारी मंत्री इस ओर ध्यान दें। कोविड केयर सेंटर तैयार करें। जिलों में एक-एक कोविड केयर सेंटर की तैयारी करें। होम आयसोलेशन के मरीज को सावधानी रखने के लिए क्या करना चाहिए, इसकी समझाइश दी जाए। व्यापक पैमाने पर संदेश प्रसारित करें। प्रदेश में ओमिक्रॉन के 9 केस आए हैं, जो सभी स्वस्थ हो गए हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने इंदौर कलेक्टर को कोरोना नियंत्रण की

रणनीति के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। कोविड केयर सेंटर, फीवर क्लीनिक एक्टिव करने, टेस्ट करने आदि के संबंध में निर्देश दिए गए। सबसे ज्यादा सतर्कता और चुनौती इंदौर की ही है। केस तेजी से बढ़ेंगे अतएव व्यवस्थाएँ चाक-चौबंद रहे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि अन्य सभी कलेक्टर भी पूरी तैयारी कर व्यवस्थाएँ दुरूस्त रखें। अपनी तरफ से कोई कमी नहीं रहने दी जाए। कोविड क्राइसिस मेनेजमेन्ट कमेटियों की बैठक करायें। प्रदेश में पात्र व्यक्तियों को अब तक 94.8 प्रतिशत प्रथम डोज़ तथा 91 प्रतिशत को सेकेण्ड डोज़ लगी है। लगातार वैक्सीनेशन जारी रहे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि 15 से 18 साल के बच्चों के वैक्सीनेशन की तैयारी कर लें। एक साथ सभी शहरों में वैक्सीनेशन करें।

करंट से होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए आमजन भी जागरूक हो

रायसेन। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने आम जनता से कहा कि करंट से होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए आम जनता को जागरूक होना पड़ेगा। इस संबंध में कंपनी ने सुरक्षा संबंधी मापदंड जारी किए हैं। विद्युत सुरक्षा की दृष्टि से विद्युत लाईनों से धरातल, भवनों से सुरक्षित दूरी आदि के लिए केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा मापदंड निर्धारित् किए गए हैं।केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा निर्धारित मापदंड अनुसार ऐसा क्षेत्र जहाँ वाहन, टैफिक न हो, वहाँ जमीन से कंडक्टर की दूरी 4.6 मीटर 5.2 मीटर 5.2 मीटर, सड़क के समानांतर विद्युत लाईनों के निचले कंडक्टर से जमीन की दूरी 5.5 मीटर, 5.8 मीटर 5.8 मीटर तथा सड़क क्रासिंग करती विद्युत लाईनों के निचले कंडक्टर की जमीन से दूरी 5.8 मीटर, 6.1 मीटर तथ 6.1 मीटर होनी चाहिए। किसी मकान के ऊपर से गुजरने वाली लाईन के निचले कंडक्टर एवं मकान के सबसे ऊँपर हिस्से के बीच की दूरी 2.5 मीटर 3.7 मीटर तथा 3.7 मीटर होनी चाहिए। किसी मकान के पास से गुजरने वाली लाईन के सबसे नजदीकी कंडक्टर की मकान से दूरी 1.2 मीटर, 2 मीटर, 2 मीटर तथा लाईन एवं पेड़ की डाली के बीच की दूरी 1.2 मीटर 2 मीटर 2 मीटर होनी चाहिए। आम जनता से अपील है कि अपने आवासीय परिसर अथवा स्थापनाओं से विद्युत लाइनो की दूरी उपरोक्तानुसार रखें। निम्नदाब और मध्यदाब स्थापनाओं में प्रायः व्यक्ति विद्युतमय चालक के सीधे सम्पर्क में आता है, जबकि उच्च दाब स्थापनाओं में वह विद्युतमय चालक से सीधे सम्पर्क में आने के पूर्व ही फ्लेश ओव्हर डिस्टेंस में आने से स्पार्क हो कर झुलस जाता है।

कांग्रेस एक ऐसा दल जिसका सेवा, संघर्ष, त्याग और बलिदान का इतिहास है-फुन्देलाल सिंह मार्को

अनूपपुर (ब्यूरो)। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 137 वां स्थापना दिवस के अवसर पर सर लगन पैलेस में जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा आहूत कांग्रेस स्थापना दिवस का कार्यक्रम आयोजित किया गया।इस अवसर पर काफी संख्या में कांग्रेस जन उपस्थित थे।जिला कांग्रेस अध्यक्ष फुन्देलाल सिंह मार्को ने इस अवसर पर कांग्रेस जनों को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेश एक ऐसा दल है जिसका सेवा, संघर्ष,त्याग और बलिदान का इतिहास है।उन्होंने कहा कि 28 दिसम्बर 1885 को ए.ओ.ह्यूम की पहल पर बम्बई (अब मुंबई) के गोकुलदास संस्कृत कॉलेज मैदान में देश के विभिन्न प्रांतों के राजनीतिक एवं सामाजिक विचारधारा के लोग एक मंच पर एकत्रित हुए। यह राजनीतिक एकता एक संगठन में तब्दील हुई, जिसका नाम 'कांग्रेस' रखा गया।डब्ल्यू.सी.बनर्जी कांग्रेस के पहले अध्यक्ष बने। उन्होंने अपने अध्यक्षीय भाषण में देश में सामाजिक सद्भाव का नया वातावरण तैयार करने पर जोर दिया। कांग्रेस एक दल ही नहीं बल्कि एक विचार और आंदोलन का नाम है,

इसलिए 137 साल बाद भी इस विचार की यात्रा अनवरत जारी है। सन् 1915 से 1947 तक की अवधि पर नजर डालें तो यह कांग्रेस का 'गांधी युग' रहा।

महात्मा गांधी ने सत्याग्रह और जन आंदोलन के माध्यम से स्वाधीनता आंदोलन को जन मन का रूप दिया।महात्मा गांधी जी ने अहिंसा, सर्वधर्म समभाव और रचनात्मक कार्यक्रमों के द्वारा सामाजिक क्रांति की शुरुआत की। उनके नेतृत्व में न सिर्फ आजादी का आंदोलन अपने निर्णायक दौर में पहुंचा बल्कि कांग्रेस को व्यापक जनाधार प्राप्त हुआ।सामाजिक न्याय की परिकल्पना पंडित जवाहरलाल नेहरू की थी, जिन्हें गांधी जी 'भारत का जवाहर' कहते थे। पंडित नेहरू ने स्वतंत्रता संग्राम में सामाजिक न्याय के प्रति अपनी तीव्र भावनाओं को शामिल किया। नेहरू जी ने भारत की आजादी की लड़ाई को साम्राज्यवाद के खिलाफ जारी वाले विश्वव्यापी संघर्ष से जोड़ा। पंडित नेहरू ने सामाजिक समरसता को अमलीजामा पहनाकर ताजिंदगी समाज के अंतिम छोर के व्यक्ति को तरक्की की धारा से जोड़ने का कार्य किया। नेहरू जी के बाद लालबहादुर शास्त्री ने सत्ता की बागडोर संभाली और अपने छोटे से कार्यकाल में ही सही, उन्होंने 'जय जवान जय किसान' के नारे से पूरे देश में श्रमेव जयते का नया जोश भर दिया। शास्त्री जी के बाद इंदिरा जी ने एक दूरदर्शी कुशल शिल्पी की भांति समाजवाद के आदर्शों को भारतीय नागरिकों के स्वभाव के अनुकूल ढालने एवं समाज में व्याप्त सामाजिक-आर्थिक असमानताओं को दूर करने का संकल्प व्यक्त कर उसे मूर्त रूप दिया। इंदिरा जी ने कांग्रेस संगठन को क्षमतावान और शक्तिशाली बनाया।श्रीमती इंदिरा गांधी के बाद राजीव गांधी ने कांग्रेस का नेतृत्व संभाला। राजीव गांधी भारत के समग्र विकास के प्रति संकल्पबद्ध राजनेता थे। भारत को तेजी से तरक्की के रास्ते पर आगे बढ़ाने के लिए उन्होंने तमाम कदम उठाये। भारत का विकास ही उनका एजेंडा था और विकसित आधुनिक भारत उनका सपना था। राजीव जी दुनिया से जल्दी विदा हो गए, लेकिन उनके अधूरे सपनों को पूरा करने का बीड़ा श्रीमती सोनिया गांधी ने उठाया और उन्होंने गांधी जी, इंदिरा जी एवं राजीव जी की शहादत और राष्ट्र सेवा की उनकी विरासत को सहेजने-संवारने में स्वयं को समर्पित कर दिया।

लाखों की अवैध शराब वैगनआर वाहन सहित जप्त

- झगराखांड पुलिस की कार्यवाही आरोपी हुआ गिरफ्तार

झगराखण्ड। कोरिया जिले के पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंह सर के द्वारा ड्रग्स, नारकोटिक्स एवं अवैध शराब के विरूद्ध चलाये जा रहे निजात अभियान के तहत कड़ी कार्यवाही करने हेतु निर्देश दिया गया है। कोरिया जिले के थाना झगराखाड़ क्षेत्र से लगे मध्य प्रदेश की सीमा थाना क्षेत्र राजनगर, बिजुरी से छत्तीसगढ़ कोरिया जिले में अवैध शराब परिवहन तस्करी पर पूर्णता अंकुश लगाने के निर्देश दिए गए थे, जिसके परिपेक्ष्य में थाना झगराखांड़ से मध्यप्रदेश के लगे क्षेत्र राजनगर, बिजुरी क्षेत्र में अवैध शराब परिवहन तस्करी की पतासाजी हेतु थाना प्रभारी झगराखाड प्रद्युम्न तिवारी के द्वारा मुखबीर लगाऐ गऐ थे, रात को करीब 11:00 बजे थाना प्रभारी को सूचना दी गई कि बिजुरी तरफ से वैगनआर कार क्रमांक- सीजी 04 सीएच- 2505 में अवैध शराब लोड होकर कोरिया जिले की ओर जाने वाला है, प्राप्त सूचना की जानकारी जिले के पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंह एवं एसडीओपी श्री राकेश कुर्रे को दी गई, जिनके द्वारा घेराबंदी कर सूचना की तस्दीक एवं रेड कार्रवाई करने के निर्देश दिए गऐ, जिस पर सुबल सिंह के द्वारा हमराह स्टाफ आरक्षक हरीश शर्मा, पुस्पेद्र तिवारी, सैनिक संतोष पटेल, मोहरसाय मरावी एवं गवाहों को साथ लेकर मुखबीर के बताऐ स्थान नेशनल हाईवे 43 पर भोला होटल के सामने घेराबंदी करने पर वैगनआर वाहन रात करीब 11:30 बजे बिजुरी की ओर से घेराबंदी कर चैक तलाशी ली गई, वैगनआर वाहन को चालक आरोपी संदीप कुमार पिता धीरेंद्र कुमार प्रजापति उम्र 22 वर्ष निवासी ग्राम-पसौरी थाना केल्हारी बस स्टैंड मनेंद्रगढ़ चलाते मिला, वैगनआर वाहन की तलाशी लेने पर 14 कार्टून गोवा अग्रेजी शराब वैगनआर के बीच की सीट में तथा पीछे डिक्की में 04 पेटी गोवा अग्रेजी शराब कुल 18 पेटी 1,17,000/ रुपये एवं वैगनआर वाहन कीमत ? 2,00,000 आरोपी के कब्जे से जप्त कर धारा 34(2),36,59 (क) आबकारी एक्ट के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

30 से ज्यादा दिव्यांगजनों को मोटराईज्ड ट्राईसिकल व सहायक उपकरण, 100 जाति व निवास प्रमाण पत्र वितरण

व्यक्तिगत वनाधिकार पत्रक पुनर्समीक्षा शिविर में प्रकरणों की समीक्षा सहित वन अधिकार पत्र मिलने से ग्रामीणों के खिले चेहरे, सविप्रा उपाध्यक्ष श्री कमरो हुए शिविर में शामिल, प्रशासन की पहल की सराहना की

कोरिया। कोरिया ग्रामीण जनता की मांग एवं समस्याओं को सुनने और उनके त्वरित निराकरण से लोगो की मदद करने की मंशा से जिला प्रशासन द्वारा विकासखण्ड मनेन्द्रगढ में व्यक्तिगत वनाधिकार पत्रक पुनर्समीक्षा शिविर सह कलेक्टर जनचौपाल का आयोजन विकासखण्ड मनेन्द्रगढ़ में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय केल्हारी में किया गया। शिविर में सरगुजा विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एवं भरतपुर सोनहत के विधायक गुलाब कमरो बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। उन्होंने जिले में कलेक्टर श्याम धावड़े के मार्गदर्शन में चलाये जा रहे अभियान की सराहना करते हुए जिला प्रशासन द्वारा किये जा रहे कार्यो की सराहना करते हुए बधाई दी। उन्होंने केल्हारी में भी स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल तथा मनेन्द्रगढ़ में एकलव्य संयुक्त आवासीय विद्यालय शुरू करने की बात कही। व्यक्तिगत वनाधिकार पत्रक पुनर्समीक्षा शिविर सह कलेक्टर जनचौपाल में कलेक्टर धावड़े ने लोगों को व्यक्तिगत वन अधिकार पत्रक मान्यता अधिनियम 2006 की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वनों में सदियों से निवासरत वन निवासियों को उनका अधिकार मिले। उन्होंने राजस्व अधिकारियों को सहयोग करने के निर्देश दिए। उन्होंने धान खरीदी के विषय में बताया कि 1 दिसंबर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू है, किसानों से शत-प्रतिशत खरीदी की जा रही है। उन्होंने किसानों से कहा कि कोचियों, बिचौलियों को अपनी ऋण पुस्तिका न दें। उन्होनें राजस्व व पंचायत के जमीनी अमले को सहयोग करने कहा। इसी के साथ उन्होंने जाति, निवास प्रमाण पत्र, किसान क्रेडिट कार्ड के संबंध में लगाये जा शिविरों का भी लाभ लेने की बात कही। शिविर में निरस्त अनेक व्यक्तिगत वनाधिकार पत्रकों के प्रकणों पर पुनर्समीक्षा की गई। जिसमें वनाधिकार पत्र जारी किये गये और नए आवेदन लिए गए। शिविर में पहुचे लोगो के राजस्व प्रकरण, जनपद एवं जाति, आय, निवास, बिजली बिल, राशन कार्ड, सौर उपकरण लगाने, किसान क्रेडिट कार्ड बिजली बिल सुधार के आवेदनों का निराकरण किया गया है। शिविर में जाति एवं निवास के 97 प्रकरणों का निराकरण किया गया। इसी तरह कृषि विभाग द्वारा 20 किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड, 21 हितग्राहियों को मिनी किट एवं वर्मी कम्पोस्ट, 05 हितग्राहियों को बीज ग्राम योजनांतर्गत गेहू बीज, 03 हितग्राहियों को स्प्रेयर पंप का वितरण किया गया। इसी तरह 05 हितग्राहियों को राशन कार्ड, 04 श्रमिकों को पंजीयन कार्ड, प्रसूति सहायता योजना के तहत 2 हितग्राहियों को चेक, मछली पालन विभाग द्वारा 02 हितग्राहियों को आइस बाक्स, 13 हितग्राहियों को तिरंगा पट्टा, समाज कल्याण विभाग के अंतर्गत 31 हितग्राहियों को मोटराईज्ड ट्राईसिकल, व्हील चेयर, बैसाखी, ब्रूलाइंडस्टिक का वितरण किया गया। इसके अतिरिक्त महिला एवं बाल विकास विभाग के नोनी सुरक्षा योजना के तहत 8 बच्चियों को सदस्यता प्रमाण पत्र का वितरण किया गया तथा हमर सुपोषित कोरिया के अंतर्गत 5 बच्चियों को लाभान्वित करते हुए 5 बच्चियों का अन्नप्राशन किया गया।

नोनी सुरक्षा योजना के तहत 8 बच्चियों को सदस्यता प्रमाण पत्र का लाभ केल्हारी में व्यक्तिगत वनाधिकार पत्रक पुनर्समीक्षा शिविर सह कलेक्टर जनचौपाल संपन्न

शिविर में मरीजों की जॉच और परामर्श सह आवश्यक दवाइयों का वितरण, बिजली बिल सुधार, नामांतरण, बटवारा, सीमांकन, जाति प्रमाणपत्र, किसान क्रेडिट कार्ड, राशन कार्ड, दिव्यांग व्यक्तियों को पेंशन, विद्युत विहीन ग्रामों में सौर ऊर्जा उपकरण लगाने, पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु हेण्ड पंप खनन, राशन कार्ड से संबंधित नवीन राशन कार्ड से संबंधित कार्य कर आम लोगों को राहत पहुंचाया गया। इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कुणाल दुदावत, अनुविभगीय अधिकारी राजस्व मनेन्द्रगढ़, केल्हारी एवं जिला स्तरीय अधिकारी तथा बडी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद रहें।

कोरिया: सिरौली में हुआ सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

- प्रदेश भर के 70 प्रतिभागियों ने दिखाई अपनी कला।
- लगातार 8 वर्षो से आयोजित हो रही है डांस प्रतियोगिता।

कोरिया। कोरिया जिले के हनुमान जी की पावन धरा सिरौली में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी डांस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें प्रदेश के विभिन्न स्थानों से 70 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। समूह वर्ग में जांजगीर चाँपा के प्रतिमा ग्रुप को पहला स्थान मिला वहीं एकल वर्ग में लेदरी के स्नेह चक्रधारी ने पहले स्थान पर कब्जा जमाया। आपको बता दें की सांस्कृतिक कार्यक्रम सेवा समिति सिरौली द्वारा विगत आठ वर्षो से डांस प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में विभिन्न जगह से आये हुए डांसरों ने हिस्सा लिया और अपनी प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में समूह ग्रुप डांस में पहला स्थान जांजगीर चांपा के प्रतिमा डांस ग्रुप को दिया गया और एकल में पहला स्थान स्नेह चक्रधारी लेदरी को दिया गया। इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के

अलावा मध्य प्रदेश से लगभग 70 प्रतिभागियों ने भाग लिया और इस कार्यक्रम में समिति के द्वारा सरगुजा विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष विधायक गुलाब सिंह कमरों को मुख्य अतिथि बनाया गया था लेकिन उन्हें पार्टी के चुनाव प्रचार में यूपी जाना पड़ा। उनकी जगह में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती उषा सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई। अतिथि के रूप में पूर्व संसदीय सचिव एवं पूर्व विधायक चंपा देवी पावले, मनेंद्रगढ़ नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रभा पटेल, जनपद पंचायत अध्यक्ष डॉ विनय शंकर सिंह, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष राजकुमार केसरवानी, कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व जनपद सदस्य रफीक मेमन, वरिष्ठ कांग्रेसी हारून मेमन, समिति के अध्यक्ष ग्राम सिरौली के उपसरपंच निर्मल सिंह, सचिव मोहम्मद इब्राहिम, हरि सिंह, राजकुमार वर्मा, राजा खान, मयंक सिंह, अब्दुल खान, आसिफ खान, इसराफिल, संजय वर्मा, सचिन सिंह, राहुल, उत्कृष्ट घनश्याम, अशोक केवट, इस्लामिया महिला स्व सहायता समूह के सभी सदस्य, आस्था महिला स्वयं सहायता समूह के सभी सदस्य और समस्त कमेटी के पदाधिकारी एवं सदस्यगण सक्रिय रहे।

स्वामी विवेकानंद शिक्षा समिति भोपाल द्वारा किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के 6 दिवसीय प्रशिक्षण कार्य सपन्न

शहडोल। जयसिंहनगर - सामुदायिक स्वास्थय केंद्र जयसिंहनगर के खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ राजेश तिवारी जी के मार्गदर्शन में शासकीय हाई स्कूल कुबरा में सेक्टर कुबरा व बॉसा के अंतर्गत ग्रामो में बनाय गए 102 किशोर साथियाओ व आशा , सहयोगी , कुल ट्रेनिंग में 140 प्रतिभागी शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाया जिसमे मास्टर ट्रेनर - ज्ञानी यादव,सरस्वती श्रीवास्तव ,प्रिया गुप्ता,सत्यम तिवारी द्वारा इन 6 दिनों में प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षण देते हुए कार्यक्रम में किशोरों को उनके कार्य ,दायित्व ,नेतृत्व कौशल को निखारने हेतु बेहतर प्रयास किए गए कार्यक्रम को बेहतर बनाने में साथिया कि क्या भूमिका है समझाइस दी गई कार्यक्रम के प्रथम दिवस से अंतिम दिवस तक चरण बद्ध तरीक़े से - पोषण ,स्वास्थ्य,मादक पदार्थ का दुष्परिणाम ,लिंग आधारित हिंसा आदि को समझाया गया खेल और विभिन्न क्रियाकलापो के माध्यम से कार्यक्रम को बेहतर बनाने के लिए प्रयास किए गए प्रशिक्षण कार्य समापन में अतिथि CHC जयसिंहनगर BCM रामकल्याण वैश्य , किशोर परामर्शदाता महेंद्र पाल , स्कूल के प्राचार्य तिवारी सर कि उपस्थित रही।

कांग्रेस के 137 वें स्थापना दिवस पर कोतमा विधानसभा में शुरू हुआ सदस्यता अभियान!

राजनगर! ब्लॉक कांग्रेस राजनगर एवं मंडल कांग्रेस राजनगर के तत्वाधान पर कांग्रेस के स्थापना दिवस पर कोतमा विधायक सुनील सराफ द्वारा सदस्यता अभियान चलाया गया सर्वप्रथम बजरंगबली के मंदिर जाकर पूजा अर्चना करने के बाद राजनगर क्षेत्र में सदस्यता अभियान की शुरुआत की गई विधायक जी का कहना है कि हमारा लक्ष्य कोतमा विधानसभा में 50,000 सदस्यता करवाने का है आज से सदस्यता अभियान चलाने जा रहे हैं, हमने तय किया है 50 हजार सदस्य कोतमा विधानसभा में बनाएंगे। पहली बार सदस्य

बने लोगों से अपील की गयी कि आप कांग्रेस से जुड़े हैं, अब दूसरों को भी जोड़ना है। कांग्रेस की संस्कृति, हमारे देश की संस्कृति है। हम दिल जोड़ते हैं, और समाज को जोड़कर रखते हैं, उसी संस्कृति को नए सदस्यों को आगे बढ़ाना है। आप सदस्य नहीं बने,अपितु उस संस्कृति को आपने अपनाया है। विधायक जी ने कहा कि जिला, ब्लॉक, मतदान केंद्र स्तर पर नौजवानों, महिलाओं, आदिवासी, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक व अन्य प्रबुद्ध नागरिकों, व्यापारी वर्ग, इंजीनियर, डॉक्टर्स, प्रोफेशनल्स सहित आम नागरिकों को कांग्रेस की सदस्यता दिलाएं। इस अभियान में मुख्य रूप से जिला कार्यवाहक अध्यक्ष मनोज संग सदस्यता अभियान के ब्लॉक प्रभारी गिरिजेश श्रीवास्तव ब्लॉक अध्यक्ष हरिशंकर दुबे मंडल अध्यक्ष राजेश श्रीवास्तव वरिष्ठ कांग्रेसी नेता रामनारायण सिंह अजय सिंह इमरान अंसारी मुकेश राजभर सद्दाम अंसारी संतोष पांडेय एवं सभी प्रकोष्ठ कार्यकर्ता मौजूद थे।

संपादकीय

सदियों पुरानी है ग्वालियर की सांगीतिक विरासत

भारतीय शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में ग्वालियर की सांगीतिक विरासत सदियों पुरानी हैं। कलाप्रिय राजा मानसिंह तोमर के शासनकाल या संभवतः उससे पहले ही आरंभ हुए ग्वालियर घराने ने देश को ब्रम्हनाद के एक से एक बड़े साधक दिए हैं। संगीत मनीषी बैजू बावरा, कर्ण और महमूद जैसे ग्वालियर के महान संगीताचार्यों से राजा मानसिंह की राजसभा सुशोभित रहती थी। वहीं मुगल बादशाह अकबर के दरबार में भी राजा मानसिंह की संगीत टकसाल से निकले संगीत शिरोमणि तानसेन सहित अन्य मूर्धन्य गान मनीषियों के संगीत का जादू छाया रहता था। ग्वालियर की सांगीतिक परंपरा के तमाम प्रमाणों से ऐतिहासिक ग्रंथ भरे पड़े हैं। आइन-ए-अकबरी में अबुल फज़ल ने लिखा है कि मुगल बादशाह अकबर की छत्तीसी में जो 36 महान संगीतकार शामिल थे, उनमें तानसेन सहित 16 संगीतकार ग्वालियर के थे। अबुल फज़ल लिखते हैं कि कंठ संगीत में अद्वितीय तानसेन अकबर दरबार में संगीत विभाग के प्रमुख थे। उनके जैसा गायक हिन्दुस्तान में पिछले हजार वर्षों में कोई दूसरा नहीं हुआ। अकबर की छत्तीसी में तानसेन के अलावा ग्वालियर के जो संगीतकार सुशोभित थे उनमें बाबा रामदास, सुभान खाँ, मियाँ चाँद (तानसेन का शिष्य), विचित्र खाँ, वीर मण्डल खाँ, शिहाब खाँ, सरोद खाँ, मियाँ लाल, तानतरंग (तानसेन का पुत्र), नायब चर्चू, प्रवीण खाँ, सूरदास, चाँद खाँ एवं रंग सेन शामिल हैं। ग्वालियर के सांगीतिक वैभव के बारे में तमाम इतिहासकारों ने शिद्दत के साथ लिखा है। उर्दू इतिहासकार फरिस्ता ने ग्रंथ तारीख-ए-फरिस्ता में लिखा है कि ग्वालियर में संगीत का प्रादुर्भाव मालचंद द्वारा भी किया गया। मालचंद के बारे में किवदन्तियाँ प्रचलित हैं, कि वह दक्षिण भारत के शास्त्रीय संगीत को ग्वालियर लाया। मालचंद ने लंबे समय तक ग्वालियर में साधना की। उसके साथ ग्वालियर आए तलिंगी संगीतकारों के वंशज पूरे उत्तर भारत में फैल गए। राजा मानसिंह तोमर के राज्यकाल में ग्वालियर का सांगीतिक वैभव अपने चरमोत्कर्ष पर पहुँच गया। तोमर राजवंश द्वारा संगीत की विकास यात्रा में दिए गए योगदान के ऐतिहासिक प्रमाण ख्वाजा नजीमुद्दीन अहमद द्वारा लिखित ÷तबाकात-ए-अकबरी में भी मिलते हैं। इस किताब में उल्लेख है कि तोमर वंशी राजा डूंगर सिंह और कश्मीर के शासक जैन-उल-आबेदीन के बीच संगीत संबंधी ग्रंथों का आदान-प्रदान हुआ था।

गहलोत ने फिर दिखाई जादूगरी, आलाकमान को खुश कर पायलट को कर दिया किनारे

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को भी जादू की कला विरासत में मिली थी। हालांकि अशोक गहलोत जादूगरी के क्षेत्र में तो नहीं गए। मगर समय-समय पर अपनी जादूगरी दिखाकर राजनीति के क्षेत्र में वह लगातार ऊंची सीढ़ियां चढ़ते चले गए।तीसरी बार राजस्थान के मुख्यमंत्री पद पर काम कर रहे अशोक गहलोत छात्र जीवन से ही कांग्रेस से जुड़ गए थे। उस समय कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे हरिदेव जोशी और परसराम मदेरणा के सानिध्य में उन्होंने राजनीति के क्षेत्र में ऊंची छलांग लगाई।

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपनी जादूगरी से कांग्रेस आलाकमान को खुश कर दिया है। राजस्थान की राजनीति में उनके विरोधी माने जाने वाले सचिन पायलट व उनके समर्थकों को गहलोत किनारे लगाने में सफल रहे हैं। राजनीति में आने से पहले अशोक गहलोत जादूगरी के पेशे से जुड़े हुए थे। उनके पिता लक्ष्मण सिंह गहलोत अपने जमाने के जाने-माने जादूगर थे।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को भी जादू की कला विरासत में मिली थी। हालांकि अशोक गहलोत जादूगरी के क्षेत्र में तो नहीं गए। मगर समय-समय पर अपनी जादूगरी दिखाकर राजनीति के क्षेत्र में वह लगातार ऊंची सीढ़ियां चढ़ते चले गए।तीसरी बार राजस्थान के मुख्यमंत्री पद पर काम कर रहे अशोक गहलोत छात्र जीवन से ही कांग्रेस से जुड़ गए थे। उस समय कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे हरिदेव जोशी और परसराम मदेरणा के सानिध्य में उन्होंने राजनीति के क्षेत्र में ऊंची छलांग लगाई।

1980 में पहली बार जोधपुर से कांग्रेस के टिकट पर लोकसभा चुनाव जीत कर इंदिरा गांधी के मंत्रिमंडल में उप मंत्री बने। गहलोत राजीव गांधी व नरसिम्हा राव के मंत्रिमंडल में भी राज्य मंत्री रहे। तीन बार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और कांग्रेस सेवा दल के अध्यक्ष रह चुके अशोक गहलोत जैसे-जैसे राजनीति की ऊंची सीढ़ियां चढ़ते गए वैसे-वैसे एक-एक कर अपने विरोधी नेताओं का सफाया करते गये। 1998 में वरिष्ठ नेता परसराम मदेरणा को मात देकर पहली बार मुख्यमंत्री बने अशोक गहलोत ने उसी कार्यकाल में परसराम मदेरणा, शिवचरण माथुर, पंडित नवल किशोर शर्मा, हीरालाल देवपुरा, नाथूराम मिर्धा, रामनिवास मिर्धा, जगन्नाथ पहाड़िया, कमला, बनवारी लाल बैरवा, रामनारायण चौधरी जैसे बड़े नेताओं को एक-एक कर किनारे लगा दिया। उसके बाद गहलोत राजस्थान कांग्रेस को अपने इर्द-गिर्द घुमाने लगे। 2008 के विधानसभा चुनाव में भी राजस्थान में कांग्रेस को बहुमत नहीं मिला था। इसके उपरांत भी अशोक गहलोत ने बसपा के विधायकों को कांग्रेस में शामिल करवा कर अपनी सरकार बना ली थी। 2018 के विधानसभा चुनाव में सचिन पायलट प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष होने के साथ ही मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार थे। विधानसभा चुनाव सचिन पायलट के नेतृत्व में ही लड़ा गया था। हर किसी का मानना था कि कांग्रेस की सरकार बनने पर सचिन पायलट ही मुख्यमंत्री बनेंगे। क्योंकि 2013 का विधानसभा चुनाव अशोक गहलोत के मुख्यमंत्री रहते उनके नेतृत्व में लड़ा गया था। जिनमें कांग्रेस को महज 21 सीटें ही मिल पाई थीं। राजस्थान में कांग्रेस बहुत कमजोर स्थिति में थी। कार्यकर्ता हताश, निराश थे। कांग्रेस कार्यकर्ताओं का मनोबल बुरी तरह से गिरा हुआ था। उस समय कांग्रेस आलाकमान ने युवा नेता सचिन पायलट को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बना कर कांग्रेस को फिर से एक बार फिर नए सिरे से मजबूत बनाने की जिम्मेदारी सौंपी थी। सचिन पायलट ने पूरी सक्रियता से प्रदेश में दौरे कर कांग्रेस कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाया और विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की सरकार बनाने का

■ कांग्रेस आलाकमान के समक्ष गहलोत किसी भी मंत्री को मंत्रिमंडल से हटाने पर सहमत नहीं हुए थे।

मार्ग प्रशस्त किया था। मगर मुख्यमंत्री बनने की बारी आई तब अशोक गहलोत एक बार फिर अपनी जादूगरी दिखाते हुए बाजी पलट कर खुद मुख्यमंत्री बन गए। उस समय सचिन पायलट को मात्र उप मुख्यमंत्री बनकर ही संतोष करना पड़ा था। 2018 में गहलोत के मुख्यमंत्री बनने की जरा भी संभावना नहीं थी। मगर अशोक गहलोत दिल्ली में कांग्रेस आलाकमान को अपने विश्वास में लेकर मुख्यमंत्री के पद पर काबिज हो गए। उस समय कांग्रेस आलाकमान ने सचिन पायलट व उनके समर्थक विधायकों को आश्वस्त किया था कि आधे कार्यकाल के बाद पायलट को मुख्यमंत्री बना दिया जाएगा। मगर आधा कार्यकाल बीतने से पहले ही मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सचिन पायलट के सामने ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न कर दी कि उनको गहलोत सरकार के खिलाफ बगावत करनी पड़ी। अशोक गहलोत इसी मौके की तलाश में थे। उन्होंने कांग्रेस आलाकमान से सचिन पायलट व उनके समर्थक सभी मंत्रियों को पद से बर्खास्त करवा दिया। यहां तक कि सचिन पायलट को भी उपमुख्यमंत्री व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद से बर्खास्त करवा दिया था। एक समय तो ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न कर दी गई थी कि पायलट व उनके समर्थक विधायकों का कांग्रेस से निष्कासन होना तय लग रहा था। मगर ऐन वक्त पर पायलट ने बदली हुई परिस्थितियों को देखकर कांग्रेस आलाकमान के सामने सरेंडर कर दिया था।

सचिन पायलट इन दिनों फिर से कांग्रेसी आलाकमान के नजदीक होकर मुख्यमंत्री बनने का दांव चल रहे थे। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी व महासचिव प्रियंका गांधी भी पायलट के पक्ष में खड़े नजर आ रहे थे। कांग्रेस आलाकमान ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर पायलट समर्थक विधायकों को फिर से मंत्रिमंडल में शामिल करने को लेकर दबाव बनाना शुरू कर दिया था। हालांकि गहलोत ने सवा साल के टालमटोल के बाद पायलट समर्थक चार विधायकों को मंत्रिमंडल विस्तार में शामिल किया। यहां भी गहलोत के सख्त रुख के कारण भारी आरोपों के बावजूद किसी भी मंत्री को हटाया नहीं गया। कांग्रेस आलाकमान के समक्ष गहलोत किसी भी मंत्री को मंत्रिमंडल से हटाने पर सहमत नहीं हुए थे। जिन मंत्रियों को आरोपों के चलते हटाने के कयास लगाए जा रहे थे। मंत्रिमंडल विस्तार में उनमें से कइयों को तो पदोन्नत कर कैबिनेट मंत्री बना दिया गया। पायलट के लगातार बढ़ते दबाव को कम करने के लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जयपुर में केंद्र सरकार के खिलाफ कांग्रेस की एक बड़ी सफल रैली करवा कर अपनी ताकत का इजहार कर दिया है। कांग्रेस की रैली में लाखों की भीड़ जुटाकर मुख्यमंत्री गहलोत ने आलाकमान को दिखा दिया कि राजस्थान में आज भी वही सबसे बड़े लोकप्रिय नेता हैं, जो अगले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को जीत दिला सकते हैं।

नेता कोई भी हो, सबके भाषणों से गायब हैं जनता के असल मुद्दे

राजधानी में सियासी पार्टियों के जितने के भी मुख्यालय हैं वहां आजकल इसी की पाठशाला लगती है। सप्ताह में करीब दो बार प्रधानमंत्री उत्तर प्रदेश में चुनावी सभा करने पहुंच रहे हैं। वहां कुछ ऐसा बोलकर चले आते हैं जिससे माहौल एकाध दिनों तक चर्चाओं में रहता है। मुल्क में नए किस्म की सियासत यानी मुद्दाविहीन राजनीति का दौर चल पड़ा है जिसमें सियासी दलों को तो फायदा हो रहा है। पर इस चलन से आवाम का कितना नुकसान हो रहा है, ये राजनेता अंदाजा नहीं लगा सकते। दरअसल, जनहित की राजनीति में मुद्दा जहां महंगाई-रोजगार का होना चाहिए, वहां धर्म-समुदाय के नाम पर जनता को आपस में भिड़ाया जा रहा है। कमोवेश, मौजूदा समय

के पांच राज्यों के चुनावी हुड़दंग में चकल्लस ऐसी ही मची हुई है। चुनावी मौसम को चुनावी हुड़दंग इसलिए कहा जाने लगा है क्योंकि आमजन के मुद्दों के जगह अब सिर्फ बिना वजह का शोर होता है। सियासी भाषणों से जमकर ड्रामा हो, उसकी पटकथा पहले ही लिखी जा चुकी होती है जिसका मुख्यालय दिल्ली है। राजधानी में सियासी पार्टियों के जितने के भी मुख्यालय हैं वहां आजकल इसी की पाठशाला लगती है। सप्ताह में करीब दो बार प्रधानमंत्री उत्तर प्रदेश में चुनावी सभा करने पहुंच रहे हैं। वहां कुछ ऐसा बोलकर चले आते हैं जिससे माहौल एकाध दिनों तक चर्चाओं में रहता है। पिछले सप्ताह शाहजहांपुर में योगी को यूपी का उपयोगी बोल आए थे और उसके पिछले सप्ताह लाल टोपी बोलकर हंगामा कटवा दिया था। यूपी चुनाव में इस समय लाल टोपी, जालीदार टोपी, धर्म-धर्मांतरण, जिन्ना आदि के मसले ही तो गर्म हैं। दालों का रेट आसमान छू रहा है, ईंधन की कीमतें, रोजमर्रा की वस्तुएं आपे से बाहर हैं, बावजूद इसके कोई राजनेता बोलने को राजी नहीं है। बहरहाल, चुनाव जैसे-जैसे अपने रंगत में आता जा रहा है, कोरोना भी जोर मारने लगा है। कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए केंद्र सरकार ने करीब दर्जन भर राज्यों में रात्रि कर्फ्यू लगाया है जिनमें ज्यादातर वो राज्य हैं जिनमें चुनाव नहीं हैं।

अब नए दौर में मप्र के किसान

कोरोना महामारी के संकटकाल ने मध्यप्रदेश में किसानों को एक ऐसी सौगात दे दी है, सामान्य दिनों में जिसका वे लंबे समय से इंतजार कर रहे थे। कोरोना संकट के दौर में किसानों को आर्थिक परेशानियों से बचाने के लिए मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने एक ही झटके में मंडी अधिनियम में संशोधन करके किसानों को एक तरह से ग्लोबल मार्केटिंग से जोड़ने का करिश्मा कर दिखाया। आढ़त का काम कर रहे व्यापारियों को अगर लायसेंस राज से मुक्ति मिली है तो किसानों के लिए भी यह एक तरह से आर्थिक रूप से अपने को मजबूत बनाने का मौका कहा जा सकता है। कोरोना के इस संकट काल में पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था चरमरा रही है। देश में भी खेती और किसान आर्थिक विमर्श के केन्द्र में हैं। केन्द्र में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने कृषि जिंसों की मार्केटिंग के लिए राज्य सरकारों को एक माडल एक्ट सौंप रखा है। इसके पीछे सरकार की मंशा है कि पूरे देश में कृषि जिंसों के लिए बाजार की एक जैसी व्यवस्था हो जाए ताकि किसानों को अपना उत्पादन बेचने के बेहतर विकल्प मिल सकें। राज्य की पिछली सरकार ने इसे ठंडे बस्ते में डाल रखा था। श्री चौहान को जब चौथी बार सरकार चलाने का मौका मिला है तो आपदा के इस दौर में उन्होंने किसानों के हित में मंडी एक्ट में संशोधन के साथ एक बड़ा किसान हितेषी कदम उठा लिया। मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है जिसने किसानों के हित में मण्डी एक्ट में संशोधन किया गया है। इस संशोधन का सीधा फायदा किसान को होगा। अब उसे अपने उत्पादन का ज्यादा से ज्यादा फायदा मिल सकता है।

जिला परामर्शदात्री समिति एवं जिला निगरानी समिति की बैठक सम्पन्न

रोजगारमूलक ऋण प्रकरणों में सकारात्मक सोच एवं मानवीय दृष्टिकोण अपनाएं- कलेक्टर

रायसेन। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला परामर्शदात्री समिति एवं जिला निगरानी समिति की समीक्षा बैठक कलेक्टर श्री अरविन्द दुबे की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री दुबे ने बैंकों में जमा एवं अग्रिम अनुपात तथा बैंकिंग पैरामीटर, वार्षिक शाख योजना 2021-22 में उपलब्धि, शहरी एवं ग्रामीण पथ विक्रेता योजना में प्रगति, केसीसी वितरण की प्रगति तथा स्व-सहायता समूह को बैंक लिंकेज कार्य की समीक्षा करते हुए दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर श्री दुबे ने बैंकर्स तथा अधिकारियों से कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन को गंभीरता से लें तथा निर्धारित लक्ष्य समय सीमा में पूर्ण किए जाएं। बैंकर्स इस बात का विशेष ध्यान रखें कि कोई भी प्रकरण बिना उचित कारण बताए निरस्त ना किए जाएं।

उन्होंने विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों के तहत विभागों द्वारा बैंकों को भेजे गए प्रकरणों की बैंकवार समीक्षा करते हुए कहा कि जो प्रकरण निरस्त किए गए हैं, उन प्रकरणों का पुनः परीक्षण करते हुए पात्र और जरूरतमंद हितग्राहियों को ऋण स्वीकृति एवं वितरण की कार्यवाही करें। किसी भी प्रकार की कमी होने पर संबंधित विभाग एवं हितग्राही से चर्चा कर उसकी पूर्ति करा ली जाए। बैठक में कलेक्टर श्री दुबे ने कहा कि शासन द्वारा लोगों को रोजगार से जोड़ने, उनके आर्थिक विकास के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही है। आर्थिक रूप से कमजोर ऐसे व्यक्तयों को आत्मनिर्भर बनाने तथा तथा उनकी आर्थिक स्थिति सुधारने में बैंकों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। बैंकर्स रोजगार एवं हितग्राहीमूलक योजनाओं में मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए पात्र तथा जरूरतमंद व्यक्तियों के प्रकरण प्राथमिकता के साथ स्वीकृत एवं वितरण की कार्यवाही करें। जिससे संबंधित व्यक्ति अपना रोजगार, व्यवसाय प्रारंभ कर सके। कलेक्टर श्री दुबे ने पथ विक्रेता योजना की समीक्षा के दौरान कहा कि जिन हितग्राहियों द्वारा 10 हजार रू का ऋण पूरा जमा कर दिया गया है, उन्हें 20 हजार रू का ऋण प्रदान किया जाए। ताकि वह अपने व्यवसाय का विस्तार कर सकें। उन्होंने पशुपालकों एवं मत्स्य पालकों को क्रेडिट कार्ड वितरण की समीक्षा करते हुए कहा कि किसानों के लिए पशुपालन और मत्स्य पालन अतिरिक्त आमदनी का बेहतर जरिया है। शासन द्वारा भी किसानों को पशुपालन और मत्स्य पालन के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। सभी बैंक निर्धारित लक्ष्य अनुसार पशुपालकों और मत्स्य पालकों को पात्रतानुसार केसीसी कार्ड का वितरण किया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने स्व-सहायता समूहों के बैंक लिंकेज की भी समीक्षा की। बैठक में सीएम हेल्पलाईन में लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री दुबे ने कहा कि अधिकांश प्रकरण बैंकों में हितग्राहियों के प्रकरण लंबित रहने से संबंधित है।

वित्त पोषण नहीं करने वाली बैंको के वरिष्ठ कार्यालय से पत्राचार करें-कलेक्टर

विदिशा। कलेक्टर श्री उमाशंकर भार्गव की अध्यक्षता में सोमवार को विशेष डीएलसीसी की बैठक आयोजित की गई थी। जिसमें सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि हितग्राहीमूलक योजनाओं के प्रकरणों में स्वीकृति उपरांत संबंधित बैंक शाखा के द्वारा वित्त पोषण की कार्यवाही नही की जाती है तो उन बैंको के वरिष्ठ कार्यालय को अवगत कराते हुए शासकीय योजनाओं के प्रति बैंक की रवैये से अवगत कराया जाए।

किशोरों का कोविड वैक्सीनेशन 3 जनवरी से शुरू होगा

होशंगाबाद। स्वास्थ्य विभाग द्वारा 15 से 18 वर्ष आयु के किशोरों के वैक्सीनेशन के लिये नई गाईडलाईन जारी की गई है। जारी गाईडलाईन के अनुसार 15 से 18 वर्ष के आयुवर्ग के किशोरों का कोविन एप या कोविन पोर्टल पर एवं ऑनस्पॉट रजिस्ट्रेशन होगा। जिसकी प्रक्रिया 1 जनवरी 2022 से कोविन एप व कोविन पोर्टल पर प्रारंभ होगी। जिसके बाद 3 जनवरी से कोविड-19 टीकाकरण का कार्य शुरु होगा। जानकारी के अनुसार यह वैक्सीन केवल किशोरों को ही लगाई जायेगी। रजिस्ट्रेशन के लिये कोविन एप एवं कोविन पोर्टल पर आधार के साथ 9 दस्तावेजों की सूची के आधार पर पंजीयन कराया जा सकेगा। इसमें स्कूल द्वारा जारी परिचय पत्र भी मान्य होगा।

जनसुनवाई में आवेदकों की समस्याओं का निराकरण

विदिशा। कलेक्टर श्री उमाशंकर भार्गव के मार्गदर्शन में आज मंगलवार को आहुत की गई जनसुनवाई कार्यक्रम में आमजनों ने अपनी व्यक्तिगत व सार्वजनिक समस्याओं से संबंधित आवेदन विभागों के अधिकारियों को प्रस्तुत करते हुए ध्यान आकर्षित कराया है। जनसुनवाई कार्यक्रम की नोडल अधिकारी व डिप्टी कलेक्टर श्रीमति आरती यादव तथा जिला पंचायत के अतिरिक्त सीईओ श्री दयाशंकर सिंह के अलावा विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने जिला पंचायत के सभागार कक्ष में आवेदकों से प्राप्त होने वाले आवेदनों पर कार्यवाही कर उन्हें मौके पर लाभान्वित कराने के सफल प्रयास किए हैं।

प्रदेश में जनजातीय क्षेत्रों में औषधीय पौधों के जरिये रोजगार के अवसर सृर्जित करें

रायसेन। आयुष राज्य मंत्री (स्वंतत्र प्रभार) श्री रामकिशोर (नानो) कावरे ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि अनुसूचित जनजातीय क्षेत्रों के निवासियों के आर्थिक उन्नयन के लिए औषधीय पौधों की खेती को अधिकाधिक प्रोत्साहित किया जाये। राज्य मंत्री श्री कावरे मंत्रालय में देवारण्य योजना की बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में प्रमुख सचिव आयुष श्रीमती करलिन खोंगवार देशमुख भी मौजूद थीं। राज्य मंत्री श्री कावरे ने बताया कि योजना में किसानों के स्व-सहायता समूह बनाये जा रहे हैं। किसानों को औषधीय पौधों की खेती के लिये प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है। औषधीय पौधों की विशेषताओं के कारण प्रदेश को 9 औषधीय क्षेत्र में वर्गीकृत किया गया है। योजना के क्रियान्वयन के लिये राज्य स्तर, जिला स्तर, ग्राम स्तर पर समितियों का गठन किया गया है। योजना का क्रियान्वयन आयुष विभाग के साथ-साथ उद्यानिकी, किसान-कल्याण, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, वन विभाग, राज्य लघु वनोपज संघ और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग मिलकर कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि योजना में औषधीय एवं सुगंधित उत्पादों की प्रोसेसिंग और मार्केटिंग के लिये भी व्यवस्था की गई है। राज्य मंत्री श्री कावरे ने योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिये पंचायत स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार की आवश्यकता बताई। बैठक में बताया गया कि योजना के लिये ष्देवारण्य सेलश्श् का गठन किया जा रहा है। इस सेल के माध्यम से योजना के प्रभावी क्रियान्वयन की व्यवस्था की जा सकेगी।

रिक्त पदों पर भर्ती जल्द हो

आयुष राज्य मंत्री श्री कावरे ने विभागीय गतिविधियों की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि आयुष विभाग एवं आयुष महाविद्यालयों में रिक्त पदों पर भर्ती की व्यवस्था जल्द पूरी की जाए। बैठक में बताया गया कि विभाग में करीब 1400 पद रिक्त हैं। राज्य मंत्री श्री कावरे ने प्रदेश के आयुष महाविद्यालयों में चल रहे निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की। बैठक में बताया गया कि लगभग 8 करोड़ रुपये के निर्माण कार्य प्रगति पर हैं। इनमें पंचकर्म यूनिट, नेचुरोपैथी, योगा हॉल, वातानुकूलित वार्ड के निर्माण कार्य शामिल हैं। यह सभी कार्य पीडब्ल्यूडी की इकाई पीआईयू के माध्यम से कराये जा रहे हैं। बुरहानपुर के शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय के बालिका छात्रावास का कार्य लगभग पूरा हो चुका है। राज्य मंत्री श्री कावरे ने आयुष औषधालयों में दवाइयों की उपलब्धता और नियमित आपूर्ति व्यवस्था की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को महाविद्यालय परिसर में औषधि निर्माण इकाई संचालित किये जाने के प्रोजेक्ट को तैयार किये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने निर्माण कार्यों की निगरानी के लिये संचालनालय स्तर पर टेक्निकल विंग बनाये जाने के भी निर्देश दिये।

आवश्यकता

युवा प्रदेश नेटवर्क

मध्यप्रदेश के सभी जिले व तहसीलों में संवाददाता नियुक्त किये जाने है। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें।

युवा प्रदेश नेटवर्क,
प्रधान संपादक-नागेश नरवरिया
भोपाल (मप्र)मो.- 9755364204

ध्वनि का गाना वास्ते यूट्यूब की ग्लोबल टॉप 100 लिस्ट में शामिल

ध्वनि भानुशाली इंडस्ट्री से लेकर म्यूजिक लवर्स के बीच पसंद की जाने वाली बेहद पॉपुलर स्टार हैं। बता दें कि ध्वनि ने अपने पॉपुलर गाने वास्ते के लिए सफलता की शानदार उड़ान भरने के बाद, एक और उपलब्धि अपने नाम कर ली है। यूट्यूब पर उनका यह गाना एक बिलियन से ज्यादा व्यूज पा चूका है। ऐसे में अब उनका यह गाना ग्लोबल टॉप 100 यूट्यूब मोस्ट लाइकड म्यूजिक वीडियो की लिस्ट में शामिल हो गया है। वास्ते गाना तनिष्क बागची द्वारा ओरिजिनल तौर पर कंपोज किया गया है और इसे अराफात महमूद द्वारा लिखा गया है, जबकि निखिल डिसूजा इसमें को-सिंगर रहे हैं। यह गाना 2019 में रिलीज हुआ था और इसने म्यूजिक की दुनिया के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए थे और साथ ही सुपरहिट भी हो गया था। ग्लोबल चार्ट्स में एंट्री एक इंटरनेशनल आर्टिस्ट के रूप में ध्वनि की पोजीशन को और मजबूती देता है, इस तरह से वह भारत को दुनिया भर में गौरवान्वित कर रही हैं।

कार्तिक आर्यन ने अपनी फैन के साथ किया प्रैंक कॉल

कार्तिक आर्यन अपनी अपकमिंग फिल्म के लिए पुणे में शूटिंग कर रहे हैं। एक्टर एक कॉलेज कैम्पस में शूटिंग कर रहे हैं, जहां उन्होंने अपने फैंस को एंटरटेन करने का फैसला किया। कार्तिक ने अपने एक फैन को प्रैंक कॉल किया जिसमें उन्हें तुरंत पहचान लिया। कर्तिक ने कॉल में कहा, यश बोल रहा है, कार्तिक आर्यन कहा है? दूसरी तरफ से रिप्लाई आया नमस्कार! क्या यह कार्तिक आर्यन है? कार्तिक ने जवाब दिया जी हां। कार्तिक इससे पहले रोहित धवन के डायरेक्शन में बन रही फिल्म शहजादा की शूटिंग दिल्ली में कर रहे थे।

रणवीर सिंह की 83 ने पहले दिन कमाए 15 करोड़ रुपए

एक्टर रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण की 83 एक दिन पहले 24 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स से अच्छा रिस्पांस मिल रहा है। फिल्म ने रिलीज के पहले दिन यानी ओपनिंग-डे पर करीब 15 करोड़ रुपए का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन किया है। हालांकि, 83 फर्स्ट-डे कलेक्शन के मामले में अक्षय कुमार की सूर्यवंशी, पुष्पा और स्पाइडर मैन नो वे होम को पीछे छोड़ने में नाकामयाब रही है। मेट्रो शहरों मुंबई, दिल्ली-एनसीआर, कोलकाता और बंगलुरू में इसे अच्छी शुरुआत मिली है।

समुद्री जीवन में रखते हैं रूचि तो बनाएं मरीन बायोलॉजी में कॅरियर

एक मरीन बायोलॉजिस्ट को समुद्री जीव विज्ञान का अध्ययन करना होता है। वह सिर्फ समुद्र के भीतर रहने वाले जीवों के जीवन और आवास पर ही अध्ययन नहीं करते, बल्कि समुद्र के भीतर पेड़-पौधों का भी अध्ययन करते हैं। मरीन बायोलॉजिस्ट समुद्री जीव-जंतुओं व पेड़-पौधों के संरक्षण में एक अहम भूमिका निभाते हैं। आज के समय में युवा नौ से पांच की नौकरी करना पसंद नहीं करते, बल्कि वह कुछ रोमांचक और अलग करना चाहते हैं। अगर आप भी कुछ थ्रिलिंग करने में विश्वास रखते हैं और समुद्री जीवन का रहस्य आपको अपनी ओर आकर्षित करता है तो आप मरीन बायोलॉजी में अपना करियर देख सकते हैं। यह एक ऐसा कॅरियर विकल्प है, जो काफी अलग है, इसलिए अगर आप इस क्षेत्र में जाने की सोच रहे हैं तो आपको इसके बारे में अच्छी तरह पता होना चाहिए

क्या होता है काम

एक मरीन बायोलॉजिस्ट को समुद्री जीव विज्ञान का अध्ययन करना होता है। वह सिर्फ समुद्र के भीतर रहने वाले जीवों के जीवन और आवास पर ही अध्ययन नहीं करते, बल्कि समुद्र के भीतर पेड़-पौधों का भी अध्ययन करते हैं। मरीन बायोलॉजिस्ट समुद्री जीव-जंतुओं व पेड़-पौधों के संरक्षण में एक अहम भूमिका निभाते हैं।

गर्लफ्रेंड तारा सुतारिया के साथ नजर आए आदर जैन हुए ट्रोल, लोगों ने कहा- स्नैपडील का रणबीर कपूर

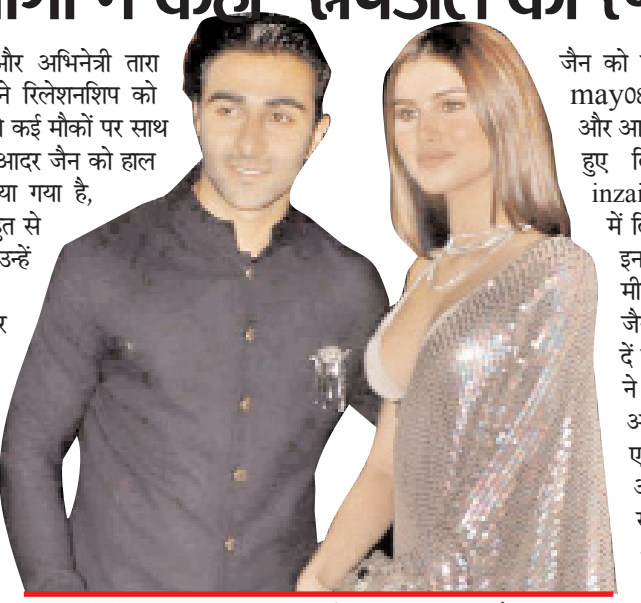

बॉलीवुड अभिनेता आदर जैन और अभिनेत्री तारा सुतारिया फिल्मों के अलावा अपने रिलेशनशिप को लेकर भी चर्चा में रहते हैं। दोनों को कई मौकों पर साथ देखा जाता है। तारा सुतारिया और आदर जैन को हाल ही में फिर से साथ में स्पॉट किया गया है, लेकिन इस बार आदर जैन को बहुत से लोगों ने ट्रोल कर दिया है और उन्हें सस्ता रणबीर कपूर बता रहे हैं।

दरअसल क्रिसमस के मौके पर बॉलीवुड के कपूर परिवार ने अपने घर एक पार्टी रखी। इस पार्टी में कई सितारों ने हिस्सा लिया। जिसमें आदर जैन गर्लफ्रेंड तारा सुतारिया के साथ पहुंचे। इस दौरान तारा सुतारिया और आदर जैन के वीडियो को सिलेब्रिटी फोटोग्राफर विरल भियानी ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर शेयर किया। वीडियो में तारा सुतारिया व्हाइट कलर की ऑफ शोल्डर ड्रेस में दिखीं। वहीं आदर जैन ने प्रिंटेड शर्ट और व्हाइट पैंट पहनी हुई थी। इस वीडियो जहां तारा सुतारिया और आदर जैन के फैंस ने पसंद किया तो वहीं बहुत से सोशल मीडिया यूजर्स आदर जैन को ट्रोल करने लगे। vipulshar-may08_ नाम के यूजर ने तारा सुतारिया और आदर जैन के वीडियो पर कमेंट करते हुए लिखा, सस्ता रणबीर कपूर। inzaid& नाम के यूजर ने अपने कमेंट में लिखा, स्नैपडील का रणबीर कपूर। इनके अलावा और भी कई सोशल मीडिया यूजर्स ने कमेंट कर आदर जैन को ट्रोल किया है। आपको बता दें कि तारा सुतारिया और आदर जैन ने हाल ही में अपने रिश्ते को ऑफिशनल किया है। दोनों अक्सर एक-दूसरे के साथ अपनी तस्वीरें और वीडियो शेयर करते हैं। अब खबर है कि तारा सुतारिया और आदर जैन जल्द शादी कर सकते हैं। बॉलीवुड लाइफ में छपी खबर के अनुसार आदर और तारा गोवा गए थे, जहां पर उन्होंने तय किया था कि दोनों जल्द शादी करेंगे। सूत्रों की मानें तो दोनों रणबीर कपूर की शादी से पहले शादी कर सकते हैं। तारा सुतारिया और आदर जैन दोनों की बॉलीवुड के नए कलाकारों में से एक हैं।

सलमान खान को काटा सांप ने, फार्म हाउस पर भाईजान के साथ हुआ दर्दनाक हादसा

सलमान को सांप ने काटा

बताया जा रहा है कि सलमान खान को एक एंटी-वेनम दवा दी गई और कुछ घंटों के ऑबजर्वेशन के बाद एक्टर को घर जाने दिया गया। दरअसल, सलमान अपना हर बर्थडे भव्य तरीके से पनवेल वाले फार्महाउस पर मनाते हैं। और शायद इस बार भी उनका यहीं प्लान था। पिछले साल लॉकडाउन के अधिकांश समय के लिए, सलमान खान अपने पनवेल फार्महाउस पर मौजूद थे, जिसका नाम उनकी बहन अर्पिता खान शर्मा के नाम पर रखा गया है। सलमान ने खेत में काम करते हुए और बीज बोते हुए कई तस्वीरें और वीडियो शेयर किए थे।

अपने बर्थडे से पहले, सलमान खान अपने पनवेल फार्महाउस के लिए रवाना हुए थे, जहां उन्हें सांप ने काट लिया है। घटना रविवार की सुबह तड़के हुई। एक्टर को इलाज के लिए कामोठे के एमजीएम अस्पताल ले जाया गया और आज सुबह नौ बजे उन्हें छुट्टी दे दी गई।

शाह रुख खान की फिल्म में किया कैमियो

वर्कफ्रंट पर बात करें तो सलमान खान ने पहले ही शाहरुख खान अभिनीत फिल्म पठान के लिए एक कैमियो की शूटिंग पूरी कर ली है। 2022 में, अभिनेता के कैटरीना कैफ के साथ टाइगर 3 की शूटिंग जारी रखने वाले हैं। सलमान खान के पास पूजा हेगड़े के साथ कभी ईद कभी दीवाली और जैकलीन फर्नांडीज के साथ किक 2 पाइपलाइन में है। अभिनेता आमिर खान की लाल सिंह चड्ढा में एक कैमियो करते हुए भी दिखाई देंगे।

फार्म हाऊस पर हुआ हादसा

2020 में लॉकडाउन के दौरान, सलमान ने पनवेल में काफी समय बिताया जहां उनके साथ जैकलीन फर्नांडीज और अन्य लोग भी थे। उन्होंने वहां खाली समय के दौरान खेती और घुड़सवारी की। द कपिल शर्मा शो पर बोलते हुए, सलमान ने कहा कि वह जैकलीन को फार्महाउस पर खेती करने के लिए कहते थे, और वह केवल ट्रेडमिल पर कार्डियो करना चाहेंगी। जैकलीन भी थी हमारे साथ वहां पर। कार्डियो कर रही है ट्रेडमिल के ऊपर बेवकूफों की तरह। बेवकूफी है।

ब्रीफ न्यूज

आरबीएल बैंक के एमडी आहूजा ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। आरबीएल बैंक के प्रबंध निदेशक (एमडी) एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) विश्ववीर आहूजा ने इस्तीफा दे दिया है। इसके अलावा भारतीय रिजर्व बैंक ने अपने मुख्य महाप्रबंधक योगेश के दयाल को आरबीएल बैंक के बोर्ड में अतिरिक्त निदेशक के रूप में नियुक्त किया है। आरबीएल बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि बैंक के बोर्ड ने विश्ववीर आहूजा के तत्काल प्रभाव से पद छोड़ने के अनुरोध को स्वीकार कर लिया है।

प्रोटीन ईगोव ने सेबी के पास आईपीओ दस्तावेज जमा किए

नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी के जरिए समाधान मुहैया कराने वाली कंपनी प्रोटीन इगोव टेक्नोलॉजीज ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए पूंजी जुटाने के लिए बाजार नियामक सेबी के पास आवेदन किया है। इस कंपनी का नाम पहले एनएसडीएल ई-गवर्नेंस इंफ्रास्ट्रक्चर था। मसौदा रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) के अनुसार आईपीओ के तहत 1.2 करोड़ इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश का प्रस्ताव शामिल है। कंपनी ने सरकार के साथ मिलकर भी काम किया है और इसे डिजिटल सार्वजनिक ढांचे का निर्माण करने तथा नागरिक केंद्रित ई-गवर्नेंस समाधान मुहैया करवाने का अनुभव है।

दो एविएशन कंपनियों में होंगी कर्मचारियों की भर्ती

नई दिल्ली (ईएमएस)। कोविड की मार से सबसे ज्यादा प्रभावित सेक्टर्स में से एक एविएशन इंडस्ट्री के लिए नया साल नए बदलाव लेकर आने वाला है। एक ओर राकेश झुनझुनवाला के निवेश वाली आकासा एयर उड़ान भरने वाली है। दूसरी ओर जेट एयरवेज नए अवतार में वापसी करने वाली है। ऐसे में दोनों विमानन कंपनियों द्वारा नियुक्ति गतिविधियां तेज किए जाने की खबर है। एक रिपोर्ट के मुताबिक पायलट समेत अन्य कर्मचारियों की भर्ती की जा सकती है। नागर विमानन मंत्रालय ने 11 अक्टूबर को भारत में आकासा एयर के परिचालन के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र दिया था। इसके बाद कंपनी ने एओपी के लिए आवेदन किया। आकासा एयर को अप्रैल 2022 तक एयर ऑपरेटर का परमिट (एओपी) प्राप्त हो सकता है। आकासा एयर की योजना 2022 की गर्मियों से अपनी विमानन सेवाएं शुरू करने की है।

जनवरी में 16 दिन बंद रहेंगे बैंक, आरबीआई ने जारी की सूची

एजेंसी| मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने जनवरी 2022 के लिए बैंकों की छुट्टियों की लिस्ट जारी कर दी है। जनवरी 2022 में बैंक 16 दिन बंद रहने वाले हैं। इनमें दूसरे व चौथे शनिवार और रविवार की छुट्टियां भी शामिल हैं। जनवरी 2022 में 5 रविवार पड़ रहे हैं। अगले साल जनवरी महीने में न्यू ईयर सेलिब्रेशन, मकर संक्रांति, स्वामी विवेकानंद जयंती, गणतंत्र दिवस जैसे कई अवसर हैं, जिन पर बैंकों में छुट्टी रहेगी। हालांकि जनवरी माह में देश में हर जगह बैंक 16 दिन बंद रहेंगे। माह में पड़ रही कुछ त्योहार किसी राज्य या क्षेत्र विशेष से संबंधित हैं। इसलिए बैंक हॉलिडे अलग-अलग राज्य के हिसाब से अलग-अलग हो सकते हैं।

ये है छुट्टियों की सूची

- 1 जनवरीः न्यू ईयर्स डे पर आइजोल, शिलांग, चेन्नई और गंगटोक में बैंक बंद रहेंगे।
- 2 जनवरीः रविवार
- 3 जनवरीः न्यू ईयर्स सेलिब्रेशन/लासूंग (आइजोल और गंगटोक में बैंक बंद)
- 4 जनवरीः लासूंग (गंगटोक में बैंक बंद)
- 8 जनवरीः माह का दूसरा शनिवार
- 9 जनवरीः रविवार
- 11 जनवरीः मिशनरी दिवस (आइजोल में बैंक बंद)
- 12 जनवरीः स्वामी विवेकानंद जयंती (कोलकाता में बैंक बंद)
- 14 जनवरीः मकर संक्रांति/पोंगल (अहमदाबाद और चेन्नई में बैंक बंद)
- 15 जनवरीःउत्तरायण पुण्यकाल मकर संक्रांति पर्व/माघे संक्रांति/संक्रांति/पोंगल/थिरूवल्लूवर दिवस (बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद, गंगटोक में बैंक बंद)
- 16 जनवरीःरविवार
- 18 जनवरीः थाईपुसम उत्सव के (चेन्नई में बैंक बंद)
- 22 जनवरीः माह का चौथा शनिवार
- 23 जनवरीः रविवार
- 26 जनवरीः गणतंत्र दिवस (देश के ज्यादातर राज्यों में बैंकों में कामकाज बंद)।

मेघालय और असम ने आरडीएसएस के तहत प्रस्तावों को मंजूरी दी

नई दिल्ली। आरईसी लिमिटेड ने कहा कि मेघालय और असम ने बिजली वितरण कंपनियों के पुनरुद्धार के लिए लाई गई पुर्नोत्थान वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस) के तहत प्रस्तावों को मंजूरी दे दी है। आरईसी के एक बयान में कहा गया है कि मेघालय और असम की राज्य सरकारें इनके परिचालन और वित्तीय सुधारों के साथ-साथ पुर्नोत्थान वितरण क्षेत्र योजना के तहत इसे पूरा करने के लिए अंतर्निहित कार्यों की योजना बनाने में सबसे आगे हैं। तदनुसार, उनकी राज्य स्तरीय वितरण सुधार समिति (डीआरसी) और राज्य मंत्रिमंडल ने योजना के तहत कार्य योजना और डीपीआर सहित प्रस्तावों को मंजूरी दे दी है। इन प्रस्तावों को अब अनुमोदन के लिए विद्युत मंत्रालय द्वारा गठित निगरानी समिति के समक्ष रखा जाएगा।

केंद्र ने सहकारी समितियों का राष्ट्रीय डेटाबेस बनाने के लिए परामर्श शुरू किया

एजेंसी| नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने कहा कि उसने सहकारी समितियों पर एक राष्ट्रीय डेटाबेस बनाने के लिए विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श लेना शुरू कर दिया है। केंद्र का कहना है कि परामर्श से राज्यों और केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं के बीच तालमेल स्थापित करने में मदद मिलेगी और साथ ही प्रभावी कामकाज तथा बाजार उन्मुखीकरण को बढ़ावा मिलेगा। इस संबंध में हाल ही में पहली बैठक सहकारिता सचिव डीके सिंह की अध्यक्षता में हुई थी। इस बैठक में केंद्र और राज्य सरकार के अधिकारियों के अलावा सहकारी संघों, आरबीआई, नाबार्ड और आईआरएमए जैसे संस्थानों के प्रतिनिधि मौजूद थे।

तेल-तिलहन बाजार समीक्षा — आयात शुल्क कम किए जाने के बाद सोयाबीन तेल के दाम मे असर

बीते सप्ताह खाद्य सोयाबीन तेल और सीपीओ में गिरावट

एजेंसी| नई दिल्ली

देश में खाद्य तेलों की कीमतों में बढ़ोतरी पर प्र?तिबंध लगाने के लिए सभी रिफाइंड तेलों के आयात शुल्क में की गई कमी के बाद बीते सप्ताह देश के प्रमुख तेल-तिलहन बाजारों में सोयाबीन तेल के दाम में गिरावट देखी गई, जबकि सोयाबीन के तेल रहित खल (डीओसी) की स्थानीय मांग के कारण सोयाबीन दाना की कीमत में सुधार दिखा। बाजार सूत्रों ने कहा कि मुर्गीपालन व्यवसाय के प्रतिनिधि काफी समय से डीओसी की उपलब्धता बढ़ाने की मांग कर रहे थे और सरकार ने इस बात को ध्यान में रखते हुए डीओसी पर स्टॉक रखने की सीमा निर्धारित कर दी है। इसी बीच सोयाबीन की मांग बढ़ने तथा किसानों के द्वारा नीचे के भाव पर बिकवाली से बचने के कारण सोयाबीन दाना और लूज के भाव अपने पिछले सप्ताहांत के मुकाबले समीक्षाधीन सप्ताहांत में लाभ दर्शाते बंद हुए। उन्होंने कहा कि आयात शुल्क में कमी किए जाने के बाद आयातित तेल सोयाबीन डीगम के भाव में गिरावट आई जिसका असर बाकी सोयाबीन तेल कीमतों पर भी हुआ। सामान्य कारोबार के बीच हल्के तेल की मांग होने से सोयाबीन दिल्ली तेल का भाव अपने पिछले सप्ताहांत के मुकाबले समीक्षाधीन सप्ताहांत में मामूली सुधार के साथ बंद हुआ। बीते सप्ताह सरसों दाने का भाव 600 रुपए की गिरावट के साथ 7,975-8,025 रुपए प्रति क्विंटल रह गया, जो पिछले सप्ताहांत 8,500-8,525 रुपए प्रति क्विंटल था। सरसों दादरी तेल का भाव पिछले सप्ताहांत के मुकाबले 500 रुपए घटकर समीक्षाधीन सप्ताहांत में 16,000 रुपए क्विंटल रह गया। वहीं सरसों पक्की घानी और कच्ची घानी तेल की कीमत 75-75 रुपए की गिरावट के साथ क्रमशः 2,390-2,515 रुपए और 2,570-2,680 रुपए प्रति टिन रह गई।

समीक्षाधीन सप्ताहांत में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के भाव क्रमशः 75-75 रुपए की तेजी के साथ क्रमशः 6,500-6,550 रुपए और 6,300-6,350 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुए। आयात शुल्क कम किये जाने के बाद सोयाबीन डीगम में गिरावट के कारण समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के भाव क्रमशः 20 रुपए और 50 रुपए की हानि के साथ 12,430 रुपए और 11,350 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुए। मूंगफली दाना, मूंगफली तेल गुजरात और मूंगफली साल्वेंट के भाव में सुधार आया। मूंगफली दाना, मूंगफली तेल गुजरात और मूंगफली साल्वेंट का भाव क्रमशः 50 रुपए , 160 रुपए और 20 रुपए के साथ क्रमशः 5,725-5,810 रुपए, 12,700 रुपए और 1,860-1,985 रुपए प्रति क्विन्टल पर बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताहांत में कच्चे पाम तेल (सीपीओ) से पामोलीन के सस्ता बैठने के कारण सीपीओ की मांग बेहद कमजोर है जिससे सीपीओ का भाव 30 रुपए की गिरावट के साथ 10,720 रुपये क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन की मांग होने के बीच पामोलीन दिल्ली और पामोलीन कांडला तेल का भाव 12,200 रुपए और 11,150 रुपये प्रति क्विंटल पर अपरिवर्तित रहा। बिनौला तेल का भाव 50 रुपए का सुधार दर्शाता 11,500 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

इस सप्ताह ओमीक्रॉन और घरेलू कारकों से तय होगी बाजार की चाल

एजेंसी| मुंबई

इस सप्ताह कोरोना के नए स्वरूप ओमीक्रॉन और घरेलू कारकों से शेयर बाजार की चाल तय होगी क्योंकि बीते सप्ताह वैश्विक स्तर पर क्रिसमस की छुटटी और नये वर्ष की छुट्टियों को लेकर अधिकांश देशों में कारोबार प्रभावित रहेगा। बाजार के जानकारों का कहना है कि इस सप्ताह बाजार पर महीने के आखिर में वायदा एवं विकल्प सौदों के निपटान और घरेलू कारक हावी रहेंगें। हालांकि उन्होंने बाजार में तेजी रहने की उम्मीद जताते हुए कहा कि एनएसई का निफ्ट 17200 अंक तक जा सकता है और यदि इसका

यह स्तर पार कर गया तो यह 17500 अंक को भी छू सकता है क्योंकि हाल ही निफ्टी 16900 अंक के स्तर तक उतरने के बाद फिर से 17 हजारी हुआ है। उन्होंने कहा कि बीते सप्ताह विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली जारी रही लेकिन घरेलू संस्थागत निवेशकों की लिवाली ने इस बिकवाली को बेअसर कर दिया और बाजार में कुछ सधार देखने को मिला था। इस अवधि में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने जहां 6600 करोड़ रुपए की बिकवाली की है वहीं घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 6900 करोड़ रुपए की लिवाली की। इससे बाजार को बल मिला था। उन्होंने कहा कि इस सप्ताह गुरूवार को मासिक वायदा एवं विकल्प सौंदों का निपटान होगा और इसका असर बाजार पर दिख सकता है।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। संपादक :- नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)